मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 24
बुधवार, 29 जुलाई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

नीट प्रदर्शन मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई

नयी दिल्ली, 28 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को राज्यों को हाल ही में हुए छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई करने से रोक दिया और निर्देश दिया कि 18 वर्ष से कम आयु के उन लोगों को रिहा किया जाए, जिनका कोई आपराधिक इतिहास न हो। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने को लेकर देशभर में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ज्यादतियों के आरोपों वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जरूरत है। पीठ ने कहा, जिस किसी ने भी ज्यादती की है या कानून को अपने हाथ में लिया है, उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने पैलेट गन, कील लगी लाठियों और इलेक्ट्रिक बैटन के इस्तेमाल जैसे आरोपों पर संज्ञान लिया, जिनकी वजह से कई छात्रों और युवतियों को गंभीर और जानलेवा चोटें आईं।

पीठ ने कहा कि वह एक कार्यबल के जरिए सभी आरोपों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और गहन जांच कराने पर विचार कर रही है। पीठ ने कहा कि इस बात का पता लगाने के लिए भी जांच की जरूरत है कि 250 पुलिसकर्मियों पर हुए हमले छात्रों ने किये थे या कुछ उपद्रवियों ने। पीठ ने उन राज्यों को कई अंतरिम निर्देश जारी किए, जहां विरोध

प्रदर्शन हुए थे, ताकि प्रदर्शनों से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग, बॉडी-कैमरा फुटेज, वायरलेस कम्युनिकेशन रिकॉर्ड, पीसीआर प्रविष्टियां और अन्य डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखा जा सके।

न्यायालय ने यह भी आदेश दिया गया कि प्रदर्शनकारियों से जुड़ा जो भी डिजिटल डेटा इकट्ठा किया गया है, उसे सुरक्षित रखा जाए, लेकिन उसे सार्वजनिक न किया जाए। पीठ ने प्रदर्शनकारी छात्रों को दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने के साथ ही स्पष्ट किया कि उसका यह निर्देश उन लोगों पर लागू नहीं होगा, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड है। न्यायालय ने दिल्ली सरकार को मामले में दर्ज प्राथमिकियों के आधार पर जांच जारी रखने अनुमति दे दी, लेकिन यह भी कहा कि कार्यवाही लंबित रहने के दौरान दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। पीठ ने याचिकाओं में लगाए गए आरोपों पर दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार, केरल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिवों से भी जवाब तलब किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, प्रथम दृष्टया इन आरोपों पर निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए, जिसमें घायल हुए 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के परिवारों की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि किसी स्वतंत्र समिति या विशेष जांच दल (एसआईटी)के गठन पर विचार करने से पहले केंद्र और संबंधित राज्यों को अपना पक्ष रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया जाता है।

शिक्षा मंत्री पर प्रियंका गांधी के बयान से लोकसभा में हंगामा, जवाबदेही पर बीजेपी-कांग्रेस आमने-सामने

नई दिल्ली, 28 जुलाई। मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की ओर से नए शिक्षा मंत्री के बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर तीखी बहस हुई। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और किरेन रिजिजू ने उन पर गलत जानकारी फैलाने और व्यक्तिगत आरोप लगाने का आरोप लगाया। बहस के दौरान, प्रियंका गांधी ने परीक्षा में अनियमितताओं और जवाबदेही को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने एक नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति की है, जो एक गर्भवती महिला के साथ बलात्कार के दोषी व्यक्तियों की रिहाई पर सहमति और यहां तक कि खुशी व्यक्त करने वाले व्यक्ति हैं।

इसके जवाब में, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रियंका गांधी से उनके दावों को साबित करने की मांग की और उन्हें गलत जानकारी

बताया।

उन्होंने कहा कि प्रियंका जी को अपने बयानों को साबित करना चाहिए था। गलत जानकारी फैलाने के मामले में कार्रवाई होनी चाहिए। क्या कोई भी कुछ भी कहकर बच सकता है? मैं इन आरोपों को गलत बताता हूं। उन्हें बाहर निकाला जाना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी संसद में इन टिप्पणियों को चरित्र हनन बताते हुए इनकी निंदा की। उन्होंने कहा कि जब प्रियंका गांधी वाड्रा बोल रही थीं, तो उनकी तरफ से भी रुकावटें डाली गईं और हमारी तरफ से भी। लेकिन हम शांति से सुन रहे थे। हालांकि, हमारे मौजूदा शिक्षा मंत्री के बारे में उन्होंने जो टिप्पणियां की हैं, वे संसद में चरित्र हनन के बराबर हैं। हम ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं करते। प्रियंका गांधी ने पहले सरकार से जवाबदेही की मांग कर रहे हजारों युवाओं के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों का ज़िक्र किया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान

मुंबई, 29 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। दोनों देशों के बीच टेस्ट सीरीज की शुरूआत 15 अगस्त से होगी। टीम की कमान एक बार फिर शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है।

तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई जसप्रीत बुमराह करेंगे। उनके साथ मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बराड़ को भी टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने पर निर्भर करेगी।

भारत ने पिछला टेस्ट अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। उस टीम से तुलना करें तो नीतीश रेड्डी, हर्ष दुबे, वॉशिंगटन सुंदर मौजूदा टीम का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा और बुमराह की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। हालांकि, बुमराह का खेलना अभी तय नहीं है। इसके अलावा सारांश नया चेहरा हैं। जडेजा ने पिछला टेस्ट पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बरसापारा स्टेडियम में खेला था। वह काफी लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं। उनका पिछला अंतरराष्ट्रीय मैच इस साल जनवरी में आया था।

श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम कप्तानः शुभमन गिल उपकप्तानः केएल राहुल यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन। साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह का चयन सब्जेक्ट टू फिटनेस है, यानी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से फिटनेस मंजूरी मिलने के बाद ही खेल सकेंगे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने निर्वाचन आयोग को लगाई फटकार, शिक्षकों के लिए 'धमकी भरी भाषा' पर जताया कड़ा ऐतराज

नई दिल्ली, 28 जुलाई। दिल्ली उच्च न्यायालय ने छात्रों के शिक्षा के अधिकार और राष्ट्रीय राजधानी में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। इसने निर्वाचन आयोग से कहा कि वह इस प्रक्रिया के लिए लगाए गए सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों की स्थिति के प्रति संवेदनशील रहे और यह सुनिश्चित करे कि उन पर काम का अत्यधिक बोझ न डाला जाए। दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने मंगलवार को कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) निस्संदेह महत्वपूर्ण है, लेकिन इसने चुनाव संबंधी काम में बाधा न डालने को लेकर प्रधानाचार्यों को दिए गए निर्वाचन आयोग के आदेश की धमकी भरी भाषा पर अप्रसन्नता जताई।

पीठ ने प्राधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे इस बात का ध्यान रखें कि लंबे समय तक स्कूल में काम करने के बाद बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) और गणना कर्मियों के रूप में लगाए गए शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव न पड़े। इसने निर्वाचन आयोग से कहा, हम आपसे केवल इतना चाहते हैं कि आप उनकी स्थिति के प्रति थोड़ा संवेदनशील रहें। हम आपके अधिकार को कम नहीं कर रहे हैं। हम उन मानवीय परिस्थितियों को समझ रहे हैं, जिनसे ये शिक्षक गुजर रहे हैं। किसी भी शिक्षक से 11 घंटे काम करने की अपेक्षा करना...

ज्यादातर शिक्षक महिलाएं हैं। उनके बच्चे और परिवार हैं। आपको उनकी परिस्थितियों को मानवीय दृष्टिकोण से देखना होगा। आदेश जारी करते समय आपने किस तरह की का इस्तेमाल किया है? क्या आप भय पैदा करना चाहते हैं?

पीठ ने कहा, हम निर्वाचन आयोग द्वारा किए जा रहे कार्य को कमतर नहीं आंक रहे हैं। मुद्दा यह है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 27 के साथ संतुलन कैसे बनाया जाए। ऐसा लगता है कि आपको शिक्षा के अधिकार अधिनियम की कम परवाह है। आपने जिस तरह की का इस्तेमाल किया है, वह पत्र की पूरी भावना को धमकी भरा बनाती है। याचिकाकर्ता की ओर से यह आरोप लगाए जाने पर कि शिक्षकों को अपने स्कूल के दायित्व नहीं निभाने दिए जा रहे हैं, अदालत ने उन्हें निर्वाचन आयोग के जवाब पर प्रत्युत्तर दाखिल करने और ऐसा कोई विशिष्ट उदाहरण बताने को कहा, जिसमें किसी शिक्षक को पढ़ाने के बजाय चुनाव संबंधी काम को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया हो।

निर्वाचन आयोग के वकील ने अदालत से कहा कि सरकारी शिक्षकों पर जरूरत से ज्यादा भार नहीं डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि उनकी सहायता के लिए स्वयंसेवक उपलब्ध हैं और उन्हें जलपान भी उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया केवल आठ अगस्त तक निर्धारित है।

मध्यप्रदेश में 7 अगस्त से शुरू होगा जन विश्वास अभियान, हर शुक्रवार जनता के द्वार पहुंचेगी सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार सात अगस्त से जन विश्वास अभियान शुरू करेगी और इस अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार को मंत्री, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी गांवों तथा शहरी वार्डों में पहुंचकर आम जनता से सीधा संवाद करेंगे, उनकी समस्याएं सुनेंगे और सरकारी योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने बताया कि अभियान का उद्देश्य शासन को जनता के करीब लाना और प्रशासनिक जवाबदेही एवं पारदर्शिता को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, सरकार ने जन समस्याओं के त्वरित समाधान और सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जन विश्वास अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। सिंह ने कहा कि मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार अब मंत्रालय, जिला और संभाग स्तर पर नियमित रूप से होने वाली बड़ी बैठकों के बजाय मंत्री, जनप्रतिनिधि और अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर लोगों से सीधे संवाद करेंगे। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, ताकि पात्र हितग्राहियों तक समय पर योजनाओं का लाभ पहुंच सके। मंत्री ने कहा कि अधिकारी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और जहां संभव होगा, उनका मौके पर ही समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि जिन मामलों का तत्काल निराकरण संभव नहीं होगा।

अवकाश सूचना

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई 2026 को समाचार पत्र का कार्यालय बंद रहेगा।

-संपादक

दिल्ली में भारी बारिश से जलभराव और यातायात जाम, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली, 28 जुलाई। दिल्ली में मंगलवार सुबह भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, व्यस्त बाजारों में घुटनों तक पानी भर गया और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। शहर में बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिनभर बादल छाए रहने और भारी

बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में अगले कुछ घंटों के लिए बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ तेज बारिश होने को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। कनॉट प्लेस, जनपथ, लुटियंस दिल्ली की कई सड़कों, भारत मंडपम रोड, बाराखंभा रोड, आईटीओ के पास मथुरा रोड, कालिंदी कुंज और अन्य निचले इलाकों में जलभराव होने की सूचना मिली।

शहर के कई हिस्सों में जलभराव की खबरों के बीच लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें मिंटो ब्रिज पर यातायात सुचारू रूप से चलता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, बारिश लगातार हो रही है, लेकिन मिंटो ब्रिज पर जनजीवन उसी गति से चल रहा है। हमारा प्रयास यही है कि मानसून केवल एक मौसम बनकर रहे, लोगों के लिए परेशानी का कारण न बने।आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दिल्ली के सबसे व्यस्त थोक बाजारों में से एक सदर बाजार का एक वीडियो साझा किया।

गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई 2026 पर विशेषः

धुंधलाती गुरु-गरिमा को पुनःस्थापित करने का महापर्व

-ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति का प्राण यदि किसी एक तत्व में समाहित है, तो वह है–गुरु। गुरु केवल ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली चेतना है। वह मनुष्य के भीतर सोई हुई संभावनाओं को जगाता है, उसके व्यक्तित्व को संस्कारित करता है और उसे आत्मोन्नति के मार्ग पर अग्रसर करता है। इसलिए भारतीय मनीषा ने गुरु को ईश्वर से भी श्रेष्ठ माना है। प्रसिद्ध वचन-ह्यगुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वरःह्न-केवल स्तुति नहीं, बल्कि गुरु की उस महत्ता का उद्घोष है जिसके बिना जीवन का कोई भी आयाम पूर्ण नहीं हो सकता। आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला गुरु पूर्णिमा का पर्व केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और जीवन-मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर है। यह दिन हमें स्मरण कराता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि धन, पद या प्रसिद्धि नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन है। जिसने जीवन को सही दिशा दे दी, उसने सब कुछ दे दिया।

भारतीय परंपरा में इस दिन महर्षि वेदव्यास का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है, इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और भारतीय ज्ञान-परंपरा को सुव्यवस्थित स्वरूप दिया। उन्होंने केवल ग्रंथ नहीं लिखे, बल्कि मानवता को विचारों की ऐसी ज्योति दी जो सहस्राब्दियों से विश्व का मार्गदर्शन कर रही है। इसीलिए गुरु पूर्णिमा ज्ञान और जीवन-दृष्टि के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। गुरु का अर्थ केवल शिक्षक नहीं है। शिक्षक सूचना देता है, गुरु चेतना जगाता है। शिक्षक बुद्धि को विकसित करता है, गुरु व्यक्तित्व को प्रकाशित करता है। शिक्षक व्यवसाय हो सकता है, लेकिन गुरु एक सदैव तपस्या होता है। गुरु वह है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को हटाकर आत्मविश्वास, विवेक और करुणा का दीप प्रज्वलित करे। गुरु का स्पर्श केवल मस्तिष्क तक नहीं पहुँचता, वह आत्मा तक उतरता है। मेरे जीवन में गुरु का स्वरूप केवल एक पूज्य व्यक्तित्व का नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक मोड़ पर प्रकाश-स्तंभ का रहा है। परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी ने अपने प्रत्यक्ष सान्निध्य, प्रेरणाओं और जीवन-दृष्टि से मुझे बार-बार यह अनुभव कराया कि गुरु केवल ज्ञान देने वाले नहीं होते, वे जीवन के प्रत्येक अंधकार में दिशा दिखाने वाले दिव्य पथ-प्रदर्शक होते हैं। अनेक ऐसे अवसर आए, जब परिस्थितियां अत्यंत जटिल थीं, समाधान का कोई मार्ग दिखाई नहीं देता था, लेकिन गुरु का स्मरण, उनकी वाणी और उनके द्वारा प्रदत्त संस्कारों ने सहज ही नई राह खोल दी। कई बार उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन ने ऐसी समस्याओं का समाधान किया, जो मानवीय दृष्टि से असंभव प्रतीत होती थीं। मैंने अनुभव किया है कि गुरु केवल वर्तमान का संबल नहीं बनते, वे भविष्य का निर्माण भी करते हैं। वे केवल सांसारिक जीवन को सफल बनाने की प्रेरणा नहीं देते, बल्कि आत्मा की अनंत यात्रा को भी आलोकित करते हैं। मृत्यु के पार के कल्याण का मार्ग भी गुरु ही प्रशस्त करते हैं। ऐसे अनुभव शब्दों में पूर्णतः व्यक्त नहीं किए जा सकते, क्योंकि वे तर्क से अधिक श्रद्धा, समर्पण और आत्मानुभूति के विषय हैं। आचार्य श्री तुलसी के प्रति मेरी अटूट निष्ठा का आधार कोई चमत्कार नहीं, बल्कि उनके जीवन की तपश्चर्या, दूरदर्शिता, करुणा, आत्मीयता और वह दिव्य गुरु-शक्ति है, जिसने मेरे जीवन को बार-बार नई दिशा, नई ऊर्जा और नई ऊँचाइयां प्रदान की हैं।

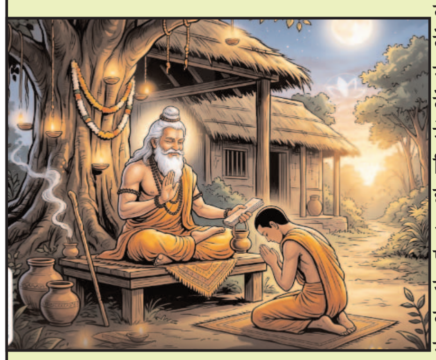

आज दुनिया अभूतपूर्व वैज्ञानिक उपलब्धियों के दौर से गुजर रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और तकनीकी विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन क्या मनुष्य पहले से अधिक शांत, संतुलित और संवेदनशील हुआ है? उत्तर सहज नहीं है। ज्ञान बढ़ा है, परंतु विवेक घटा है। सूचना का विस्फोट हुआ है, लेकिन आत्मबोध का अभाव गहराया है। तकनीक ने गति दी है, पर दिशा देने वाला गुरु दुर्लभ होता जा रहा है। यही आधुनिक समय का सबसे बड़ा संकट है। आज शिक्षा संस्थान डिग्रियां दे रहे हैं, लेकिन जीवन जीने की कला नहीं सिखा पा रहे। प्रतियोगिता बढ़ रही है, पर सहयोग घट रहा है। सफलता की दौड़ तेज हुई है, पर संतोष पीछे छूट गया है। ऐसे समय में गुरु पूर्णिमा केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि जीवन की दिशा सुधारने का राष्ट्रीय और वैश्विक अभियान बनना चाहिए।

गुरु का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि वह केवल सफलता नहीं सिखाता, सार्थकता सिखाता है। वह केवल लक्ष्य तक पहुँचने की विधि नहीं बताता, बल्कि यह भी बताता है कि लक्ष्य कैसा होना चाहिए। गुरु मनुष्य को बाहर की दुनिया जीतने से पहले अपने भीतर की दुनिया को जीतना सिखाता है। आत्मसंयम, विनम्रता, सेवा, करुणा और सत्यनिष्ठा जैसे गुण गुरु के सान्निध्य में ही विकसित होते हैं। भारतीय इतिहास गुरु-शिष्य परंपरा के अनुपम उदाहरणों से भरा पड़ा है। श्रीराम ने वशिष्ठ और विश्वामित्र से मर्यादा सीखी। श्रीकृष्ण ने संदीपनि से शिक्षा ग्रहण की और स्वयं अर्जुन के जीवन में गुरु बनकर उसे कर्मयोग का संदेश दिया। भगवान महावीर के गणधर गौतम, भगवान बुद्ध के आनंद और गुरु नानक के उत्तराधिकारी गुरु अंगद इस बात के प्रमाण हैं कि सच्चा गुरु केवल ज्ञान नहीं देता, वह नया व्यक्तित्व गढ़ता है। लेकिन आज गुरु की गरिमा अनेक कारणों से धूमिल हुई है। कुछ कथित गुरुओं ने अध्यात्म को प्रदर्शन, चमत्कार और व्यापार का माध्यम बना दिया है। श्रद्धा का स्थान प्रचार ने ले लिया है। आध्यात्मिकता की जगह बाजारवाद ने प्रवेश कर लिया है। ऐसे वातावरण में विवेकपूर्वक गुरु का चयन अत्यंत आवश्यक है। संतों ने ठीक ही कहा है–ह्यपानी पीजै छान के, गुरु कीजै जान के।ह्न गुरु वह नहीं जो भीड़ जुटाए, बल्कि वह है जो व्यक्ति के भीतर चरित्र, साहस और आत्मविश्वास का निर्माण करे। सच्चा गुरु कभी अपने व्यक्तित्व का प्रचार नहीं करता। उसका जीवन ही उसका संदेश होता है। वह अपने अनुयायियों को स्वयं पर आश्रित नहीं बनाता, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाता है। वह अंधभक्ति नहीं, आत्मजागरण सिखाता है। उसका मौन भी शिक्षा होता है और उसका आचरण सबसे बड़ा उपदेश। आज आवश्यकता केवल अच्छे गुरुओं की नहीं, बल्कि अच्छे शिष्यों की भी है। गुरु तभी प्रभावी होता है जब शिष्य में विनम्रता, जिज्ञासा और ग्रहणशीलता हो। अहंकार से भरा हुआ पात्र ज्ञान को धारण नहीं कर सकता। इसलिए, गुरु पूर्णिमा हमें केवल गुरु का सम्मान करना नहीं सिखाती, बल्कि अपने भीतर योग्य शिष्य बनने की प्रेरणा भी देती है।

यदि हम विश्व को अधिक शांतिपूर्ण, मानवीय और संतुलित बनाना चाहते हैं, तो उसके लिए केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। नई विश्व-व्यवस्था का निर्माण आध्यात्मिक मूल्यों पर ही संभव है। विज्ञान हमें साधन दे सकता है, लेकिन उनका सदुपयोग कैसे हो, यह गुरु ही सिखा सकता है। राजनीति व्यवस्था बना सकती है, पर चरित्र का निर्माण गुरु ही करता है। कानून अपराध रोक सकता है, लेकिन अपराध की प्रवृत्ति को समाप्त करने का कार्य संस्कार ही कर सकते हैं और संस्कारों का सबसे बड़ा स्रोत गुरु है। इक्कीसवीं सदी में मानवता के सामने हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण संकट, मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और नैतिक पतन जैसी अनेक चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल तकनीकी उपायों से संभव नहीं है। इनके मूल में मनुष्य की चेतना है, और चेतना का परिष्कार गुरु ही कर सकता है। इसलिए गुरु केवल व्यक्ति का निर्माता नहीं, बल्कि समाज और विश्व का भी निर्माता है। गुरु पूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है कि हम गुरु को केवल पूजें नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। उनके बताए मार्ग पर चलें। सेवा को जीवन का धर्म, संयम को शक्ति, सत्य को आधार और करुणा को व्यवहार बनाएं। यही सच्ची गुरु-भक्ति है। गुरु पूर्णिमा हमें यही संकल्प लेने की प्रेरणा देती है कि हम अपने जीवन में ऐसे गुरु-तत्त्व को स्थान देंगे जो हमें केवल सफल नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाए। नई विश्व-व्यवस्था का आधार यदि किसी एक शक्ति में निहित है, तो वह गुरु की चेतना, गुरु के संस्कार और गुरु के आदर्श हैं। जब गुरु की गरिमा पुनः शिखर पर प्रतिष्ठित होगी, तभी मानवता का भविष्य भी प्रकाशमय, संतुलित और आदर्श बन सकेगा।

उत्तर प्रदेश में नए सियासी समीकरणों की आहट और कांग्रेस की परीक्षा

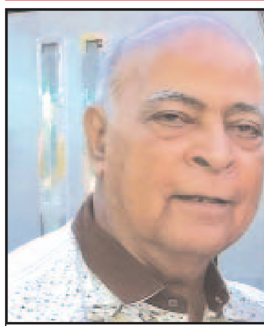

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति ने एक बार फिर करवट लेनी शुरू कर दी है। राजनीतिक गलियारों में इस समय सबसे बड़ी चर्चा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बीच संभावित नजदीकियों को लेकर है। हैदराबाद से चलकर हिंदी पट्टी, विशेषकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश, में अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे ओवैसी ने जिस तरह से अखिलेश यादव को गठबंधन का खुला प्रस्ताव दिया है, उसने राज्य के पुराने चुनावी गणित को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है। मुरादाबाद की रैली में ओवैसी का यह कहना कि भाजपा को रोकने के लिए हम समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार हैं, बशर्ते हमें हमारा वाजिब हक मिले, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है। यह उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के भीतर सुलग रही राजनीतिक आकांक्षाओं और असुरक्षा की भावना को एक नया मंच देने का प्रयास है।

इस पूरे घटनाक्रम ने जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी को ध्रुवीकरण की राजनीति को नए सिरे से धार देने का मौका दे दिया है, वहीं दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन के भीतर एक बड़ा रणनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। इस संकट के केंद्र में सबसे अधिक कोई पार्टी प्रभावित दिख रही है, तो वह कांग्रेस है। पिछले कुछ चुनावों से उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस के लिए सपा और ओवैसी के बीच बढ़ती यह नजदीकी एक गहरी असमंजस की स्थिति लेकर आई है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी का हाथ थामेंगे? और यदि ऐसा होता है, या केवल इसकी सुगबुगाहट भी बनी रहती है, तो कांग्रेस इस नए चक्रव्यूह से निपटने के लिए क्या रणनीति अपनाएगी?

असदुद्दीन ओवैसी की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि वे बिना सोचे-समझे कोई बिसात नहीं बिछाते। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 19 से 20 प्रतिशत है, जो दर्जनों लोकसभा और विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाती है। पारंपरिक रूप से यह मतदाता वर्ग समाजवादी पार्टी और कुछ हद तक बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस की तरफ झुकता रहा है। ओवैसी ने मुरादाबाद की धरती से जो संदेश दिया, वह बहुत साफ था–मुस्लिम समुदाय अब केवल दरी बिछाने और दूसरों को सत्ता तक पहुंचाने का जरिया नहीं बनेगा, उसे सत्ता में आनुपातिक हिस्सेदारी चाहिए। ओवैसी का यह रुख अखिलेश यादव के लिए एक बड़ी राजनीतिक दुविधा पैदा करता है:यदि अखिलेश ओवैसी को पूरी तरह खारिज करते हैं, तो ओवैसी उन पर 'मुस्लिम विरोधी' या 'मुसलमानों के वोटों का फायदा उठाने वाले नेता' का ठप्पा लगाकर अल्पसंख्यक मतों में सेंधमारी कर सकते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश के पिछले कुछ चुनावों में ओवैसी की पार्टी ने भले ही खुद ज्यादा सीटें न जीती हों, लेकिन उसने धर्मनिरपेक्ष दलों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है।और यदि अखिलेश यादव ओवैसी से हाथ मिला लेते हैं, तो भाजपा को ₹मुस्लिम तुष्टीकरण₹ और ₹कट्टरपंथ के तुष्टीकरण₹ का नैरेटिव बनाने का सीधा मौका मिल जाएगा। इससे सपा की 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति का गैर-मुस्लिम हिस्सा, विशेषकर पिछड़ी और अगड़ी जातियों का वह वर्ग जो भाजपा से नाराज होकर सपा की तरफ आ सकता है, तुरंत छिटककर वापस भाजपा के पाले में चला जाएगा।अखिलेश यादव इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि ओवैसी के साथ मंच साझा करने की एक भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है, जिसे उनका पारंपरिक गैर-मुस्लिम वोट बैंक शायद स्वीकार न करे।

इस पूरी सियासी बिसात में कांग्रेस पार्टी सबसे नाजुक मोड़ पर खड़ी है। कांग्रेस के सामने यह संकट केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता पर भी पड़ना तय है। कांग्रेस के रणनीतिकारों के सामने इस समय तीन बड़ी चुनौतियां हैंः

पहली कांग्रेस खुद को देश की सबसे बड़ी और स्वाभाविक धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानती है। उत्तर प्रदेश में वह सपा के साथ गठबंधन में रहकर खुद को अल्पसंख्यकों के रक्षक के रूप में पेश करती रही है। लेकिन अगर ओवैसी इस त्रिकोण में प्रवेश करते हैं, तो वे कांग्रेस के इस नैरेटिव को सीधे चुनौती देंगे। ओवैसी लगातार कांग्रेस पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उसने दशकों तक मुसलमानों का केवल इस्तेमाल किया और उन्हें नेतृत्व नहीं दिया। कांग्रेस के लिए ओवैसी के इस तीखे वैचारिक हमले का जवाब देना आसान नहीं होगा, क्योंकि ओवैसी सीधे जमीनी मुद्दों और आंकड़ों के साथ बात करते हैं।

दूसरी कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की छोटे भाई वाली भूमिका से बाहर निकलकर अपनी सीटों की संख्या और राजनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहती है। यदि सपा और ओवैसी के बीच कोई परोक्ष या अपरोक्ष समझौता होता है, तो गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे का गणित पूरी तरह बिगड़ जाएगा। ओवैसी निश्चित रूप से उन सीटों पर दावा ठोकेंगे जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है–जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रुहेलखंड का इलाका। इत्तेफाक से, कांग्रेस भी इन्हीं क्षेत्रों में अपने पुराने आधार को पुनर्जीवित करने की उम्मीद लगाए बैठी है। ऐसे में ओवैसी का आना कांग्रेस के हिस्से की सीटों में कटौती कर सकता है।

तीसरी कांग्रेस की राष्ट्रीय रणनीति इस समय सॉफ्ट-हिंदुत्व, जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय के इर्द-गिर्द घूम रही है। वह बहुसंख्यक समाज के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ना चाहती है। लेकिन अगर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में ओवैसी और सपा की दोस्ती की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, तो भाजपा पूरे चुनाव को 'राष्ट्रवाद बनाम तुष्टीकरण' के ध्रुवों पर केंद्रित कर देगी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दे पृष्ठभूमि में चले जाएंगे, जिससे कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान होगा।

ऐसी हालात में कांग्रेस समाजवादी पार्टी नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश करेगी कि 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता के लिए ओवैसी जैसे तत्वों से दूरी बनाए रखना जरूरी है। कांग्रेस का तर्क होगा कि ओवैसी के साथ किसी भी तरह का गठबंधन पूरे देश में गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। वह अखिलेश यादव को यह याद दिलाएगी कि अगर वे उत्तर प्रदेश के बाहर (जैसे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र या बिहार में) एक गंभीर खिलाड़ी बनना चाहते हैं, तो उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष और सर्वसमावेशी ढांचे के साथ चलना होगा, न कि किसी क्षेत्रीय या समुदाय-विशेष की राजनीति करने वाले दल के साथ।

केवल ओवैसी की आलोचना करने से कांग्रेस का काम नहीं चलेगा। उसे मुस्लिम समाज के भीतर ओवैसी के प्रति बढ़ते आकर्षण को रोकना होगा। इसके लिए कांग्रेस उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध वर्ग, धर्मगुरुओं और युवाओं के बीच सीधे जाकर यह संदेश देने की योजना बना रही है कि देश के स्तर पर भाजपा का मुकाबला केवल कांग्रेस ही कर सकती है, कोई क्षेत्रीय दल नहीं। कांग्रेस अल्पसंख्यक कल्याण, शिक्षा और सुरक्षा के मुद्दों पर अपने ट्रैक रिकॉर्ड को सामने रखेगी और यह साबित करने की कोशिश करेगी कि भावुक बयानों के बजाय व्यावहारिक राजनीति ही उनका भला कर सकती है।

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि पर्दे के पीछे भाजपा इस पूरी हलचल पर पैनी नजर रखे हुए है। भाजपा के लिए ओवैसी और अखिलेश की दोस्ती की 'आहट' भी एक बड़े सियासी वरदान जैसी है। भाजपा इस स्थिति का उपयोग अपने मुख्य एजेंडे को धार देने के लिए करेगी।तब भाजपा जनता के बीच यह संदेश ले जाने में तनिक भी देर नहीं करेगी कि सत्ता पाने के लिए सपा और कांग्रेस किसी भी हद तक जा सकते हैं, यहाँ तक कि ओवैसी जैसी राजनीति का समर्थन भी कर सकते और यदि ओवैसी अलग चुनाव लड़ते हैं, तो वे विपक्ष के वोट काटेंगे; यदि वे सपा के साथ आते हैं, तो बहुसंख्यक वोट एकजुट होकर भाजपा की तरफ आएंगे। दोनों ही सूरतों में भाजपा के लिए यह 'विन-विन' यानी हर हाल में फायदे वाली स्थिति बनती दिख रही है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति हमेशा से देश की सत्ता का मार्ग तय करती आई है। ओवैसी द्वारा अखिलेश यादव की तरफ बढ़ाया गया हाथ और उस पर कांग्रेस की चिंताएं यह दर्शाती हैं कि राज्य में चुनावी जंग अब केवल विकास या जातिगत समीकरणों तक सीमित नहीं रह गई है। यह विचारधाराओं, पहचान की राजनीति और रणनीतिक वर्चस्व की एक बेहद पेचीदा लड़ाई बन चुकी है। कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममुग्धता से बाहर निकलकर ठोस फैसले लेने का है। उसे यह समझना होगा कि उत्तर प्रदेश का अल्पसंख्यक मतदाता अब केवल 'भाजपा के डर' से किसी को वोट देने के मूड में नहीं है, वह अपनी राजनीतिक पहचान और सम्मान चाहता है। ओवैसी इसी नब्ज को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यदि कांग्रेस ओवैसी के इस उभार को रोकने में नाकाम रहती है, या अखिलेश यादव को एक आत्मघाती कदम उठाने से नहीं रोक पाती, तो उत्तर प्रदेश में 'इंडिया' गठबंधन का भविष्य संकट में पड़ सकता है। आने वाले दिन इस बात का फैसला करेंगे कि कांग्रेस इस राजनीतिक बिसात पर शह और मात के खेल में खुद को किंगमेकर के रूप में स्थापित रख पाती है या फिर उत्तर प्रदेश की राजनीति के हाशिये पर धकेल दी जाती है।

पेपर लीक पर गैर-भाजपा सरकारों से जवाबदेही कब?

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों, परिवारों की उम्मीदों और सामाजिक न्याय की आधारशिला भी हैं। कोई भी परीक्षा तभी सार्थक मानी जाती है जब उसमें प्रतिभा, मेहनत और निष्पक्षता का सम्मान हो। लेकिन जब प्रश्नपत्र लीक हो जाता है, तो केवल एक परीक्षा प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसी घटनाओं पर देश में सबसे पहले समाधान की नहीं, बल्कि राजनीति की शुरूआत होती है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल पड़ता है और छात्रों का भविष्य राजनीतिक बहस का विषय बनकर रह जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में देश के अनेक राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं। कहीं शिक्षक भर्ती परीक्षा प्रभावित हुई, कहीं पुलिस भर्ती, कहीं लोक सेवा आयोग की परीक्षा तो कहीं अन्य प्रतियोगी परीक्षाएं। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया कि पेपर लीक किसी एक राज्य, किसी एक दल या किसी एक परीक्षा संस्था की समस्या नहीं है। यह पूरे परीक्षा तंत्र की चुनौती है। फिर भी राजनीतिक दल इस मुद्दे को अपने-अपने हितों के अनुसार प्रस्तुत करते हैं।

जब राष्ट्रीय स्तर की किसी परीक्षा में गड़बड़ी होती है, तब विपक्ष केंद्र सरकार और संबंधित मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग करता है। यह लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का दायित्व है। लेकिन यही प्रश्न तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब गैर-भाजपा शासित राज्यों में बार-बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आती हैं। वहां वही राजनीतिक दल, जो केंद्र में नैतिकता और जवाबदेही की बात करते हैं, अक्सर इसे केवल प्रशासनिक चूक बताकर आगे बढ़ जाते हैं। यहीं से दोहरे मानदंडों की बहस शुरू होती है।

लोकतंत्र में नैतिकता का अर्थ यह नहीं कि वह केवल विरोधी दल पर लागू हो। यदि किसी सरकार से इस्तीफे की मांग उचित है तो वही कसौटी हर सरकार पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। जवाबदेही दल देखकर तय नहीं हो सकती। यदि भाजपा शासित राज्य में पेपर लीक सरकार की विफलता है तो गैर-भाजपा सरकारों में वही घटना केवल अधिकारियों की गलती कैसे बन जाती है? यदि एक जगह मंत्री से इस्तीफे की मांग होती है तो दूसरी जगह वही मांग अनुचित क्यों मानी जाती है?

दरअसल, भारतीय राजनीति में नैतिकता का पैमाना अक्सर सत्ता और विपक्ष के साथ बदल जाता है। विपक्ष में रहते हुए हर दल जवाबदेही की सबसे ऊंची बातें करता है, लेकिन सत्ता में आते ही वही दल जांच, प्रक्रिया और प्रशासनिक कारणों का हवाला देने लगता है। यह प्रवृत्ति किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं है। लगभग सभी दल समय-समय पर इसी राजनीतिक सुविधा के शिकार हुए हैं। इसलिए समस्या किसी दल विशेष की नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति की है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि विपक्ष का दायित्व केवल सवाल उठाना नहीं, बल्कि अपने शासनकाल में बेहतर उदाहरण प्रस्तुत करना भी है। यदि कोई दल भाजपा सरकारों से इस्तीफे की मांग करता है, तो उसे अपने राज्यों में भी वही नैतिक मानदंड

- डॉ. सत्यवान सौरभ

अपनाने चाहिए। लोकतंत्र में विश्वसनीयता तभी बनती है जब सिद्धांत सत्ता बदलने के साथ न बदलें।

पेपर लीक का सबसे बड़ा नुकसान उस छात्र को होता है जिसने वर्षों तक कठिन परिश्रम किया होता है। हजारों-लाखों रुपये कोचिंग, पुस्तकों, आवेदन शुल्क और रहने-खाने पर खर्च होते हैं। परिवार अपनी आवश्यकताओं में कटौती कर बच्चों की पढ़ाई पर निवेश करता है। परीक्षा रद्द होने का अर्थ केवल एक नई तारीख नहीं होता, बल्कि मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान और भविष्य को लेकर गहरी अनिश्चितता भी होता है। कई बार उम्र सीमा पार होने का खतरा भी छात्रों के सामने खड़ा हो जाता है। ऐसे में राजनीतिक दलों के बयान छात्रों के घावों पर मरहम नहीं लगा सकते।

पेपर लीक की घटनाएं यह भी बताती हैं कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। यदि प्रश्नपत्र सुरक्षित रखने, मुद्रण, परिवहन, डिजिटल सुरक्षा और परीक्षा केंद्रों की निगरानी में कमियां बनी रहेंगी तो अपराधी नए रास्ते खोज लेंगे। इसलिए आवश्यकता मजबूत तकनीकी व्यवस्था, पारदर्शी प्रक्रियाओं और समयबद्ध जांच की है। दोषियों को शीघ्र और कठोर दंड मिलना चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने का साहस न कर सके।

इसके साथ ही शीर्ष स्तर की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं कि हर घटना पर तुरंत इस्तीफा ही एकमात्र समाधान है। लेकिन यदि किसी विभाग में लगातार पेपर लीक हो रहे हों, यदि सुरक्षा व्यवस्था बार-बार विफल हो रही हो और यदि निगरानी में गंभीर लापरवाही सामने आए, तो मंत्री और शीर्ष अधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी से इनकार नहीं किया जा सकता। उच्च पद केवल अधिकार नहीं देता, बल्कि उससे कहीं अधिक उत्तरदायित्व भी देता है। गैर-भाजपा सरकारों के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए उठता है क्योंकि राजनीतिक विमर्श में अक्सर भाजपा शासित राज्यों की घटनाओं को प्रमुखता से उठाया जाता है, जबकि अन्य राज्यों में हुई समान घटनाओं पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। यदि लोकतंत्र में समानता का सिद्धांत स्वीकार है तो चर्चा भी समान होनी चाहिए और जवाबदेही भी। जनता यह नहीं देखती कि सरकार किस दल की है; वह यह देखती है कि उसके बच्चों का भविष्य सुरक्षित है या नहीं।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यदि मीडिया केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से घटनाओं को प्रस्तुत करेगा तो वास्तविक समस्या पीछे छूट जाएगी। पत्रकारिता का दायित्व तथ्यों को सामने लाना, जांच की दिशा पर नजर रखना और छात्रों की आवाज को प्रमुखता देना है। मीडिया को सत्ता और विपक्ष दोनों से समान कठोरता के साथ प्रश्न पूछने चाहिए। यही लोकतंत्र की आत्मा है।

सोशल मीडिया ने भी इस बहस को नया आयाम दिया है। यहां कई बार तथ्यों से अधिक राजनीतिक प्रचार दिखाई देता है। समर्थक अपने-अपने दल का बचाव करते हैं और विरोधियों पर आरोप लगाते हैं। परिणाम यह होता है कि पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर भी विमर्श समाधान की जगह राजनीतिक ध्रुवीकरण में बदल जाता है। इससे छात्रों का भरोसा और कमजोर होता है। समय की मांग है कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह आधुनिक बनाया जाए। प्रश्नपत्रों की डिजिटल एन्क्रिप्शन प्रणाली, सुरक्षित वितरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, परीक्षा केंद्रों का वैज्ञानिक चयन और स्वतंत्र ऑडिट जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाए। साथ ही एक ऐसी स्वतंत्र परीक्षा निगरानी संस्था का गठन किया जाए जो किसी भी राजनीतिक प्रभाव से मुक्त होकर पूरे तंत्र की निगरानी करे। इससे जनता का विश्वास भी बढ़ेगा और जवाबदेही भी स्पष्ट होगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि राजनीतिक दलों को इस मुद्दे पर न्यूनतम साझा नैतिक मानक विकसित करने होंगे। यदि किसी सरकार से विपक्ष में रहते हुए इस्तीफे की मांग की जाती है, तो सत्ता में आने पर उसी सिद्धांत को स्वीकार करने का साहस भी होना चाहिए। लोकतंत्र की विश्वसनीयता भाषणों से नहीं, आचरण से बनती है। आज भारत विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। यह युवा शक्ति तभी देश की ताकत बनेगी जब उसे निष्पक्ष अवसर मिलेंगे। यदि प्रतियोगी परीक्षाओं पर भरोसा कमजोर पड़ता गया तो प्रतिभा का मनोबल टूटेगा और व्यवस्था के प्रति अविश्वास बढ़ेगा। यह किसी भी राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं हो सकता।

इसलिए प्रश्न केवल इतना नहीं है कि पेपर लीक कहां हुआ। प्रश्न यह है कि वहां जवाबदेही किसकी तय हुई। यदि भाजपा शासित राज्यों में नैतिक जिम्मेदारी की मांग उचित है तो गैर-भाजपा सरकारों में भी वही कसौटी लागू होनी चाहिए। और यदि किसी राज्य में जांच पूरी होने तक इस्तीफे की आवश्यकता नहीं मानी जाती, तो यही सिद्धांत हर सरकार पर समान रूप से लागू होना चाहिए। लोकतंत्र चयनात्मक नैतिकता पर नहीं, समान मानकों पर चलता है। अंततः देश के युवाओं को राजनीतिक बयान नहीं, भरोसेमंद व्यवस्था चाहिए। उन्हें यह विश्वास चाहिए कि उनकी मेहनत किसी भ्रष्ट तंत्र की भेंट नहीं चढ़ेगी। यह विश्वास तभी लौटेगा जब हर सरकार, चाहे वह किसी भी दल की हो, पेपर लीक जैसी गंभीर घटनाओं पर समान जवाबदेही स्वीकार करेगी। शिक्षा और रोजगार के प्रश्न दलगत राजनीति से ऊपर हैं। इन्हें वोट की राजनीति का हथियार नहीं, राष्ट्र निर्माण का आधार माना जाना चाहिए। यही कारण है कि आज सबसे बड़ा प्रश्न केवल यह नहीं है कि ₹पेपर लीक पर गैर-भाजपा सरकारों से जवाबदेही कब? बल्कि यह भी है कि क्या भारत की राजनीति कभी ऐसी परिपक्वता दिखाएगी, जहां नैतिकता का पैमाना सत्ता बदलने के साथ न बदले? जिस दिन इस प्रश्न का ईमानदार उत्तर मिल जाएगा, उसी दिन छात्रों का व्यवस्था पर विश्वास भी मजबूत होना शुरू हो जाएगा।

आंदोलन के समाधान में उत्तोलन का उद्देश्य

-विक्रम दयाल

आक्रोश से अधिक आवश्यक है आत्मोत्थान, संघर्ष से अधिक आवश्यक है समाधान

जब किसी राष्ट्र में जनता की पीड़ा बार-बार अनसुनी कर दी जाती है, जब व्यवस्था संवेदनहीनता का आवरण ओढ़ लेती है, जब आश्वासनों का अंबार तो लगता है पर समाधान धरातल पर दिखाई नहीं देता, तब आंदोलन जन्म लेते हैं। आंदोलन किसी भी लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी चेतना का प्रमाण होते हैं। किंतु हर आंदोलन अपने साथ एक प्रश्न भी लेकर चलता है–क्या हमारा संघर्ष केवल विरोध के लिए है, या परिवर्तन के लिए? आज देश का सामाजिक परिदृश्य अनेक प्रकार के आंदोलनों से गुजर रहा है। कहीं किसान अपनी उपज का उचित मूल्य मांग रहा है, कहीं बेरोजगार युवा वर्षों की मेहनत के बाद भी अवसर के लिए भटक रहा है। कहीं कर्मचारी अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, कहीं महिलाएँ सुरक्षा और सम्मान की मांग कर रही हैं। पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे विषय भी समय-समय पर आंदोलनों का रूप लेते रहे हैं। इन सबके पीछे एक ही पुकार है–हमें सुना जाए, हमें न्याय मिले। लेकिन एक कटु सत्य यह भी है कि जब आंदोलन अपनी मूल भावना से भटककर हिंसा, कटुता, तोड़फोड़ और राजनीतिक स्वार्थ का माध्यम बन जाते हैं, तब सबसे बड़ी हार जनता की ही होती है। जलती हुई बसें जनता की होती हैं, टूटती हुई रेलें जनता की होती हैं, बंद पड़े विद्यालयों में नुकसान विद्यार्थियों का होता है, और रुकते हुए उद्योगों का दर्द श्रमिकों के घर तक पहुँचता है। प्रश्न उठता है–यदि संघर्ष में समाज ही घायल हो जाए, तो विजय किसकी होगी? यहीं से उत्तोलन की आवश्यकता प्रारंभ होती है। उत्तोलन का अर्थ केवल किसी मांग को मनवा लेना नहीं है; इसका अर्थ है समाज की चेतना को ऊँचा उठाना, शासन को उत्तरदायी बनाना, जनता में विश्वास जगाना और संवाद के पुल का निर्माण करना। आंदोलन तब महान बनता है जब वह प्रतिशोध नहीं, परिवर्तन का मार्ग चुनता है। आज सबसे बड़ा संकट केवल समस्याओं का नहीं, बल्कि संवाद के अभाव का भी है। लोकतंत्र में सत्ता और जनता एक-दूसरे की विरोधी नहीं, बल्कि साझेदार होती हैं। जब संवाद समाप्त होता है, तब सड़कें बोलने लगती हैं। और जब सड़कें बोलती हैं, तब दोनों पक्षों को यह याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति टकराव नहीं, बल्कि विश्वास है। महात्मा गांधी ने पूरी दुनिया को दिखाया कि बिना हिंसा के भी सबसे बड़ी सत्ता को झुकाया जा सकता है। उनका सत्याग्रह किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं था; वह अन्याय के विरुद्ध था। उनका उद्देश्य किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि सबके भीतर की मानवता को जागृत करना था। यही आंदोलन का सर्वोच्च उत्तोलन है। आज आवश्यकता केवल आंदोलन करने वालों को ही नहीं, बल्कि शासन करने वालों को भी आत्ममंथन करने की है। यदि जनता बार-बार सड़कों पर उतरने को विवश हो रही है, तो यह केवल जनता की बेचैनी नहीं, बल्कि व्यवस्था के लिए भी एक गंभीर संकेत है। समय रहते संवाद, पारदर्शिता और संवेदनशीलता अपनाना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। दूसरी ओर आंदोलनकारियों का भी यह दायित्व है कि वे संविधान, शांति और अनुशासन की मयार्दा को कभी न छोड़ें। सोशल मीडिया के इस दौर में उत्तेजना बहुत तेजी से फैलती है, लेकिन समाधान उतनी तेजी से नहीं आता। कुछ भड़काऊ संदेश हजारों लोगों को सड़क पर ला सकते हैं, परंतु एक जिम्मेदार विचार लाखों लोगों का भविष्य बदल सकता है। इसलिए आंदोलनों को भावनाओं के साथ-साथ विवेक का भी नेतृत्व चाहिए। राष्ट्र निर्माण का मार्ग संघर्ष से होकर अवश्य जाता है, परंतु वह संघर्ष ऐसा होना चाहिए जो समाज को तोड़े नहीं, जो संवाद के दरवाजे बंद न करे, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए कटुता नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण व्यवस्था की विरासत छोड़ जाए। आंदोलन की सफलता विरोध की तीव्रता में नहीं, बल्कि समाधान की स्थिरता में होती है। आज देश को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को आईना दिखाएँ, लेकिन उसे तोड़ें नहीं; जो सरकार को जवाबदेह बनाएँ, लेकिन समाज को विभाजित न करें; जो अधिकारों की रक्षा करें, किंतु कर्तव्यों को भी स्मरण रखें। जब आंदोलन जनजागरण, आत्मानुशासन और रचनात्मक सुझावों का माध्यम बनते हैं, तभी वे राष्ट्र को ऊपर उठाते हैं। यही वास्तविक उत्तोलन है। अंत में केवल इतना ही– ₹आंदोलन की मशाल यदि विवेक के हाथों में रहे तो वह अंधकार मिटाती है; लेकिन यदि वह क्रोध के हवाले हो जाए, तो अपने ही घर को जला देती है।₹ इसलिए आज आवश्यकता आंदोलन की नहीं, बल्कि समाधानकारी आंदोलन की है; विरोध की नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण परिवर्तन की है; और उत्तेजना की नहीं, बल्कि उत्तोलन की है। यही लोकतंत्र की आत्मा है, यही राष्ट्रहित का मार्ग है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अब पूरे महाराष्ट्र में चलाया जाएगा ड्रग्स फ्री मुंबई मॉडल

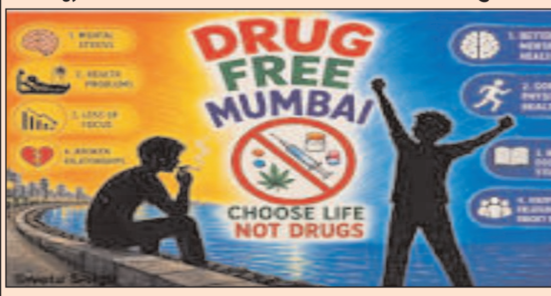

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में मादक पदार्थों के विरुद्ध एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। महाराष्ट्र में इस अभियान को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में और अधिक मजबूती मिल रही है। 'ड्रग्स फ्री मुंबई' अभियान के मॉडल को अब पूरे राज्य में लागू किया जाएगा। मुंबई सहित राज्य के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 'नशामुक्ति मार्गदर्शन एवं परामर्श समिति' का गठन किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है।

इन समितियों के माध्यम से विद्यार्थियों के बीच नशे के दुष्प्रभावों के प्रति निरंतर जनजागरण किया जाएगा। विद्यार्थियों के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों की समय रहते पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराना, अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित करना तथा आवश्यकता पड़ने पर संबंधित विशेषज्ञों के पास मार्गदर्शन हेतु संदर्भित करना भी इन समितियों की जिम्मेदारी होगी।

केंद्र सरकार ने वर्ष 2029 तक देश को मादक पदार्थों से मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों के समन्वय से मादक पदार्थों के विरुद्ध निवारक कार्रवाई तथा व्यापक जनजागरण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के अनुरूप महाराष्ट्र सरकार ने भी राज्य में नशामुक्ति अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न उपायों की शुरूआत की है। 30 जुलाई को वर्ली डोम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों 'ड्रग्स फ्री मुंबई' अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। कैबिनेट मंत्री लोढ़ा ने कहा कि यह केवल उद्घाटन कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षभर चलने वाला एक जनआंदोलन है। इस अभियान में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक, स्वयंसेवी संस्थाएँ, मनोचिकित्सा विशेषज्ञ, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) तथा समाज के विभिन्न वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई है। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पूरे वर्ष विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम, मार्गदर्शन सत्र, परामर्श कार्यक्रम तथा नशामुक्ति विषयक संवादात्मक गतिविधियाँ आयोजित की जाएगी।

जलसेतु योजना से साखरशेत गांव की वर्षों पुरानी पेयजल समस्या खत्म

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले की जव्हार तहसील के साखरशेत (उंबरखेड) गांव में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान हो गया है। खावडा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड की सामाजिक पहल 'जलसेतु' के तहत गांव में सुरक्षित एवं नियमित पेयजल आपूर्ति परियोजना का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह स्थानीय आदिवासी संस्कृति के प्रतीक पारंपरिक तारपा नृत्य के साथ उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस परियोजना के माध्यम से गांव के 250 से अधिक परिवारों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इसके लिए लगभग 1.5 किलोमीटर दूर स्थित विश्वसनीय जलस्रोत से गांव तक भूमिगत पाइपलाइन बिछाई गई है। साथ ही पूरे गांव में 24 जल वितरण केंद्र स्थापित किये गये हैं, जिससे प्रत्येक परिवार तक आसानी से पानी पहुंच सके। परियोजना के शुरू होने से ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं को अब प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर पानी लाने की कठिनाई से राहत मिल गई है। अब उन्हें घर के निकट ही नियमित एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है, जिससे समय की बचत के साथ उनके जीवन स्तर में भी सुधार आयेगा।

इस अवसर पर खावडा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के उपाध्यक्ष निनाद पितले ने कहा कि कंपनी का उद्देश्य केवल बिजली प्रसारण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय समुदायों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है। उन्होंने कहा कि 'जलसेतु' जैसी पहलें ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ स्थानीय समुदायों के साथ दीर्घकालिक विश्वास और सहभागिता को मजबूत करती हैं। कार्यक्रम में साखरशेत ग्राम पंचायत की सरपंच अनीता चौधरी, उपसरपंच रुकेश जयराम काव्हा सहित खावडा पावर ट्रांसमिशन लिमिटेड के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।सरपंच रुकेश जयराम काव्हा ने बताया कि पहले गांव की महिलाओं को प्रतिदिन लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर पानी लाना पड़ता था। नई पाइपलाइन शुरू होने के बाद गांव को नियमित एवं भरोसेमंद जलापूर्ति मिलने लगी है, जिससे वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान हुआ है। ग्रामीणों ने इस पहल को स्वास्थ्य, जनकल्याण और सतत ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कंपनी के प्रयासों की सराहना की।

30 जुलाई को सेंट अर्नोल्ड्स कॉलेज अँधेरी में लगेगा विशाल जनहितकारी नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

मुंबई। आंखों के स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने और समय रहते नेत्र संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेंट अर्नोल्ड्स नाइट डिग्री कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई द्वारा ईशा नेत्रालय के सहयोग से 30 जुलाई 2026 को विशाल नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

यह जनहितकारी शिविर सेंट अर्नोल्ड्स नाइट डिग्री कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स (एन.एस.एस. यूनिट), महाकाली गुफा रोड, अंधेरी (पूर्व), मुंबई स्थित कॉलेज के असेंबली हॉल में दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित होगा। शिविर में अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों द्वारा आंखों की नि:शुल्क जांच की जाएगी तथा आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा स्थानीय नागरिकों को आंखों की नियमित जांच के महत्व के प्रति जागरूक करना और समय रहते नेत्र रोगों की पहचान कर उचित उपचार के लिए प्रेरित करना है।

केसीएन क्लब द्वारा आयोजित कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा सम्पन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। कारगिल विजय दिवस के 27वें वर्ष के अवसर पर बोईसर शहर में केसीएन क्लब द्वारा एक भव्य कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कारगिल युद्ध के वीर शहीदों एवं पूर्व सैनिकों को श्रद्धांजलि देना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति और देश सेवा की भावना जागृत करना था। यह कार्यक्रम पिछले 9 वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है और इस वर्ष इसे विशेष रूप से भव्य रूप दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ से पधारे ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, विशिष्ट अतिथि के रूप में पोलिस एपीआई केशव राठोड उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सैनिक पुणे से पधारे केसीएन क्लब के सैनिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉक्टर भोलानाथ सिंह ननवग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों में केसीएन क्लब राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष डॉ कृपाशंकर मिश्र, सैनिक प्रकोष्ठ महासचिव एडवोकेट पुंडलिक भाऊसाहब तायड़े सैनिक प्रकोष्ठ के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष परभणी के अंकुश बालासाहेब शिंदे, पूर्व सैनिक निरंजन माझी, विनोद जेना, झारखण्ड के प्रमोद कुमार पांडेय , डॉ अरुण बबन तलेकर, वेंकट दगडोबा शिंदे, गुत्तेश्वर यादव, पुणे के एम एस निमसे, सिविल डिफेंस के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के, पालघर सीएमओ कोऑर्डिनेटर वैभव घुले,कैप्टन डॉ पद्मा माने, कैप्टन डॉ प्रकाश सोनावणे, कैप्टन डॉ वनश्री फाल्के, लेफ्टिनेंट हर्षल चौधरी, पूर्व सैनिक रामनारायण गोयल, रोटेरियन सन्दीप राऊत, प्रवीण वैश्य, जलगांव के एमएसईबी के प्रभुचरन चौधरी, यवतमाल की समाजसेवी सुनीता भगवान भितकर, गीतकार राकेश निराला शोलापुर के सर्पमित्र अक्षय काम्बले, सांगली के शिक्षक माणिकराव कोकने, एमआईडीसी अभियंता अविनाश संखे , एस पी राजेश एमपीसीबी के सूरज नानावरे, सखाराम राठोड़ माणिक कार्डिक, विशाल पाटिल, दीपक मोरे, ललित शुक्ला, समाजसेवी रामआसरे यादव का विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बोईसर नवापुर नाका से भारत माता पूजन व विशिष्ट अतिथियों द्वारा नारियल तोड़कर व विशिष्ट अतिथि पोलिस एपीआई केशव राठोड द्वारा फीता काटकर 10वीं कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा की शुरूआत हुई। यात्रा में केसीएन क्लब दिव्यांग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व कार्यक्रम के प्रोजेक्ट प्रेसिडेंट अभिजीत जोशी लगातार पूरी यात्रा सबके साथ तय की। यात्रा समापन पर श्रीराम मन्दिर हॉल में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व सैनिक महेंद्र सिंह को विशेष श्रधांजलि अर्पित करते हुए उनको मरणोपरांत सेवा रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया, उनका सम्मान उनके पुत्र ने स्वीकार किया। कार्यक्रम में संस्था की पदाधिकारी मनीषा विलास पिम्पले ने संस्था के विषय में सभी को अवगत कराया, व वर्ष की थीम बुजुर्गों का सम्मान पर प्रोजेक्ट वाइस प्रेसिडेंट राकेश आचार्य ने बुजुर्ग सम्मान पर विशेष विचार रखा।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुख्य अतिथि ने कारगिल विषय पर सभी को अवगत कराया व सैनिकों की मनोदशा को समझाने की कोशिश की। कार्यक्रम का संचालन केसीएन क्लब निर्झरिणी के कार्याध्यक्ष अमित दुबे , युवा समाजसेवी रविन्द्र मिश्र ने किया।

पदयात्रा में अनेक विद्यालय एवं महाविद्यालयों के एनसीसी कैडेट, विद्यार्थी तथा सामाजिक संगठन शामिल हुए। इनमें प्रमुख रूप से पी. एल. कॉलेज, एम. के. जूनियर कॉलेज, चिंचणी, एस डी एस एम. कॉलेज, पालघर एनसीसी टीम, बोईसर मिलिट्री स्कूल पास्थल, श्री अनिरुद्ध इंग्लिश हाईस्कूल, आशादीप हाईस्कूल, सेंट मेरी हाईस्कूल, अंकिता विद्यामन्दिर, श्री प्रबोधनकर विद्यालय अवधनगर, मीरा सृजन शिक्षण सेवा संस्थान, जय योगेश्वर गुरुकुल विद्यापीठ बोईसर केंद्र, सहित अन्य स्कूल ट्यूशन क्लासेज उपस्थित रहे, मशाल पदयात्रा का शुभारम्भ भारत माता पूजन एवं फीता काटकर किया गया।

बोईसर-पालघर पत्रकार संघ का पाठ्य सामग्री वितरण व वृक्षारोपण कार्यक्रम आज

पालघर (उत्तरशक्ति)। सामाजिक सरोकारों और जनहित के कार्यों के लिए पहचान रखने वाला बोईसर-पालघर पत्रकार संघ (रजि.) बुधवार 29 जुलाई 2026 को जिला परिषद विद्यालय, पांजरे में वृक्षारोपण एवं शैक्षणिक सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री एवं छातों का वितरण किया जायेगा। साथ ही विद्यालय को संगणक से संबंधित उपयोगी सामग्री भी भेंट की जायेगी, जिससे विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा संसाधनों का लाभ मिल सके। इसके पश्चात विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण व हरित अभियान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया जायेगा। इस अवसर पर बोईसर पालघर पत्रकार संघ की पूरी टीम के साथ जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित रहेंगे। संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला ने बताया कि संगठन पत्रकारिता के साथ-साथ शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किये जाते रहेंगे।

तुलिंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 1.02 करोड़ की एमडी ड्रग्स के साथ दो नाइजीरियाई नागरिक गिरफ्तार

◆2 किलो 54 ग्राम मेफेड्रोन बरामद, बिना सत्यापन कमरा किराए पर देने वाले मकान मालिक पर भी होगी कार्रवाई

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई पूर्व स्थित तुलिंज पुलिस स्टेशन के आतंकवाद विरोधी प्रकोष्ठ (एटीसी) ने नशीले पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नाइजीरियाई नागरिकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 किलो 54 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद किया है। जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 1,02,75,000 बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई 2026 को दोपहर के समय एटीसी की टीम तुलिंज पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों एवं मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि कुछ विदेशी नागरिक विरार रोड, मोरेगांव झील के सामने स्थित जीवदानी अपार्टमेंट में नशीले पदार्थों की

बिक्री कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल छापेमारी कर जस्टिन उसिफो उर्फ माइकल ग्रेस (53 वर्ष, मूल निवासी नाइजीरिया) तथा एक 26 वर्षीय नाइजीरियाई नागरिक को हिरासत में लिया। आरोपियों के ठिकाने की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से 2 किलो 54 ग्राम मेफेड्रोन (एमडी) बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 1.02 करोड़ से अधिक है। इस मामले में तुलिंज पुलिस स्टेशन में गु.र. क्र. 542/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 8(सी), 21(सी), 22 एवं 29 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह भी बताया कि संबंधित मकान मालिक ने बिना किसी पुलिस सत्यापन के विदेशी नागरिकों को कमरा किराए पर देकर किरायेदार सत्यापन नियमों का उल्लंघन किया है। इसलिए मकान मालिक के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी विदेशी नागरिक को किराए पर कमरा देने से पहले अनिवार्य रूप से पुलिस सत्यापन कराएं। मामले की आगे की जांच पुलिस उपनिरीक्षक राहुल फड़ कर रहे हैं। यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक अमर मराठे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक धर्मेंद्र पवार, पुलिस उपनिरीक्षक राहुल फड़ तथा एटीसी टीम के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक अंजाम दी। इस अभियान का नेतृत्व पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर (परिमंडल-2, वसई) एवं सहायक पुलिस आयुक्त नितिन गिते (तुलिंज डिवीजन) के मार्गदर्शन में किया गया।

जयपुर प्रवासी संघ का स्नेह सम्मेलन संपन्न

मुंबई। जानी मानी सामाजिक संस्था जयपुर प्रवासी संघ (जेपीएस) का 18वां स्नेह सम्मेलन गत दिनों बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। अपने शहर और पुरानी यादों को ताजा करने वाले इस सम्मेलन में हजारों से अधिक लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का उद्देश्य मुंबई में बसे जयपुरवासियों के बीच आत्मीय संबंधों को मजबूत करना तथा अपनी परंपराओं को जीवंत बनाए रखना था।उक्त कार्यक्रम जेपीएस के संस्थापक अध्यक्ष एवं मुख्य संरक्षक कृष्ण कुमार राठी तथा अध्यक्ष सुनील सिंघवी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। बोरीवली स्थित संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान परिसर के त्रिमूर्ति जैन मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में अनिल हिरावत, मधुकुमार राठी, सुंदरी ठाकुर, डॉ. नरेंद्र हरजाई, अनिल अग्रवाल,राजकुमार बेद, गिरीश अग्रवाल, दीपेंद्र बैराठी, मनीष शाह, धर्मचंद कोठारी, अनिल कर्णावत, मनीष लेखी, विनोद दुग्गड़, नरेंद्र हिरावत, कुसुम काबरा, विजय सेठ सहित समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

बांद्रा बॉय : सच से पहले सुर्खियां चलाने की होड़ पर आधारित एक प्रभावशाली फिल्म

मुंबई। फिल्म बांद्रा बॉय सच और अफवाह के बीच की पतली रेखा को प्रभावी तरीके से दर्शाती है। विख्यात टीवी जर्नलिस्ट नीरू शर्मा की बतौर डायरेक्टर पहली फिल्म बताती है कि सुर्खियां सच से पहले चल जाती हैं, और धारणाएं किसी ठोस सबूत से पहले बन जाती हैं। समकालीन विषय पर बनी और सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म केवल रोमांच नहीं देती, बल्कि दर्शकों को सोचने पर भी मजबूर करती है। चूंकि नीरू शर्मा खुद दो दशकों से मीडिया में रही हैं इसलिए उन्होंने अपने अनुभवों की रौशनी में, मीडिया की कार्यप्रणाली और इमेज बनाने बिगाड़ने के खेल को इस फिल्म में असरदार ढंग से दिखाया है. फिल्म के टाइटल और इसकी कहानी को देखकर दर्शकों के मन मस्तिष्क में फिल्म इंडस्ट्री का एक चर्चित केस सामने आ जाता है मगर डायरेक्टर ने जिस अंदाज से इसे प्रस्तुत किया है वह देखने लायक है.

फिल्म में एक मशहूर हस्ती सिद्धार्थ ओबेरॉय (अह्वान कुमार) को पुलिस एक छापे के दौरान पकड़ लेती है मगर उसके पास न तो ड्रग्स मिलते हैं और न ही उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आती है मगर उसे फंसाने का खेल चलता है.

उसका बाप देवराज ओबेरॉय (धर्मेंद्र गोहिल) मामले को खत्म करने के लिए करोड़ों की सौदेबाजी करता है इस बीच मीडिया में एक वीडियो क्लिप चला दिया जाता है जिसके बाद आता है कहानी में मोड़. क्लाईमेक्स आपको चौंकाने मे सफल रहता है उसके लिए फिल्म देखनी होगी.

जहां तक एक्टिंग की बात है अह्वान कुमार ने अपने किरदार को बखूबी निभाया है। वहीं धर्मेंद्र गोहिल की प्रभावशाली अदाकारी किरदार को हकीकत के करीब बनाती है. सहायक कलाकारों में यश पेडणेकर, लोचन बरसागड़े, पवन तिवारी, श्याम थोंबरे, ऐश्वर्या मनोहर और हिमांशी मंडलिया ने भी अपने पात्रों के साथ इन्साफ किया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर दिव्यांगजनों को मिली नई सौगात

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन के अवसर पर रविवार को घाटकोपर के असल्फा क्षेत्र में सामाजिक सेवा और जनकल्याण की भावना से प्रेरित एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन एवं श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद दिव्यांगजनों को नि:शुल्क व्हीलचेयर वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों को बेहतर गतिशीलता उपलब्ध कराना, उनके दैनिक जीवन को सरल बनाना तथा उन्हें सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन, उनके परिजन, सामाजिक कार्यकर्ता, स्वयंसेवक तथा स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। व्हीलचेयर प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी, आत्मविश्वास और संतोष स्पष्ट दिखाई दिया। कई लाभार्थियों ने कहा कि इस सहायता से उनके दैनिक जीवन की अनेक कठिनाइयाँ कम होंगी और वे पहले की तुलना में अधिक सहजता से अपने कार्य कर सकेंगे। उन्होंने इस मानवीय पहल के लिए आयोजकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष शुभ्रांशु दीक्षित ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन को केवल औपचारिक रूप से मनाने के बजाय समाजहित और जनसेवा के

कार्यों के माध्यम से मनाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही सच्ची सामाजिक सेवा है। दिव्यांगजनों को सम्मान, सुविधा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति की जिम्मेदारी है। ऐसे सेवा कार्य समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करते हैं।उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन के संयोजक राजेश दुबे, अध्यक्ष रेखा राजेश दुबे तथा सचिव सत्यम दुबे का विशेष योगदान रहा फाउन्डेशन की तरफ से मिले सहयोग के लिए संयोजक, अध्यक्ष का आभार प्रकट करता हूं शुभ्रांशु दीक्षित ने आगे कहा कि शिवशक्ति सेवा फाउंडेशन और श्री साई श्रद्धा प्रतिष्ठान भविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा, दिव्यांग सहायता, महिला सशक्तिकरण तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम लगातार आयोजित करते रहेंगे। उन्होंने समाज के सक्षम नागरिकों, उद्योगपतियों और सामाजिक संगठनों से भी अपील की कि वे ऐसे मानवीय अभियानों में आगे आकर सहयोग करें, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुँचाई जा सके।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने दोनों संस्थाओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक संगठनों द्वारा इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिससे जरूरतमंद लोगों को समय पर सहायता मिल सके। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों, स्वयंसेवकों, दानदाताओं एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। ₹सेवा ही सच्ची मानवता है₹ के प्रेरणादायी संदेश के साथ संपन्न हुआ यह आयोजन समाज में सेवा, संवेदनशीलता और जनकल्याण की भावना को सशक्त करने वाला एक सराहनीय प्रयास बनकर उभरा।

बाढ़ पीड़ितों के बीच हरिदया फाउंडेशन ने वितरित की राहत सामग्री व बच्चों को भेंट की शैक्षणिक सामग्री

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक संस्था हरिदया फाउंडेशन (रजि.) ने राहत एवं सहायता अभियान चलाकर जरूरतमंद परिवारों तक मदद पहुंचाई। संस्था ने दहानू तहसील के वानगांव क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों में राशन, कपड़े और विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सामग्री वितरित की।

पिछले दिनों लगातार हुई भारी बारिश से वानगांव क्षेत्र के कई गांव जलमग्न हो गये थे। अनेक घरों में पानी घुसने से लोगों का घरेलू सामान, राशन तथा बच्चों की पढ़ाई का सामान नष्ट हो गया। ऐसे कठिन समय में हरिदया फाउंडेशन ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए वानगांव ग्राम पंचायत अंतर्गत वाकीपाड़ा में 57 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरित किये। इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को कपड़े भी उपलब्ध कराये गये। संस्था ने बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो, इसके लिए उन्हें कॉपियां, पुस्तकें सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री प्रदान की तथा उन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया। बच्चों

को बिस्किट, चॉकलेट भी वितरित किये गये। इस दौरान ग्रामीणों से नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील भी की गई। इसी अभियान के तहत ओहोलपाड़ा में भी ग्रामीणों को कपड़े तथा विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। राहत अभियान को सफल बनाने में वानगांव ग्राम पंचायत सदस्य संदीप वाघात ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की सरपंच सुनीता भाँवर, ग्रामसेवक पिंपले तथा कर्मचारी सुबोध, मराठे, अतुल व अल्पेश का विशेष सहयोग रहा।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रजापति
फॅब्रीकेशन ॲण्ड ग्रिल वर्क्स
93245 26742
98200 55193
93227 55403
PRAJAPATI
FABRICATION & GRILL WORKS
MANUFACTURERS OF
COMPOUND GATES, MS GRILLS, WATER TANKS,
ROLL SHUTTER, COLLAPSIBLE DOOR &
ALUMINIUM SLIDING WINDOW
SHOP NO. 101, SAVERA CHS., LAST BUS STOP, VEERA DESAI ROAD, ANDHERI (W), MUMBAI-400053. GST No. : 27ANKPP6297R1ZP

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी में चाकू मारकर युवक की हत्या

कमरे से खून से लथपथ मिला युवक का शव, पुलिस हर पहलू की कर रही जांच

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। भेलूपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में धारदार हथियार से हत्या का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह उसका शव कमरे के भीतर खून से लथपथ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। मामले में मृतक के साथ कमरे में रहने वाले युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में दोनों के बीच विवाद की बात सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, घटना भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित बड़ी गैबी इलाके की वीडीए कॉलोनी की है। यहां दीपांशु राय और खुश पांडेय एक किराए के कमरे में रहते थे। सोमवार देर रात करीब तीन बजे पुलिस को सूचना मिली कि कमरे के अंदर एक युवक गंभीर हालत में पड़ा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां दीपांशु राय का शव खून से सना हुआ मिला।

मामले की जानकारी देते हुए एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है और आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया है, ताकि मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सके।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक और हिरासत में लिया गया युवक काफी समय से एक-दूसरे के संपर्क में थे और एक ही कमरे में साथ रहते थे। पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए युवक ने दावा किया कि दोनों ने मंदिर में विवाह किया था और पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। पुलिस इस दावे की भी जांच कर रही है।

प्रारंभिक पूछताछ में यह भी जानकारी मिली है कि दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस के अनुसार, शराब पीने के बाद कई बार कहासुनी और मारपीट की नौबत आ जाती थी। आशंका जताई जा रही है कि सोमवार रात भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो बाद में हिंसक रूप ले बैठा।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए युवक से लगातार पूछताछ की जा रही है। शुरूआती पूछताछ में उसने घटना से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण तथ्य बताए हैं। पुलिस का कहना है कि पूछताछ और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं।

फिलहाल पुलिस मृतक के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने के बाद संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं फोरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच को अंतिम रूप दिया जाएगा। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

थाईलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे सोनभद्र के रवि सिंह

डीएम-एसपी समेत हिण्डालको प्रबंधन ने दी शुभकामनाएं

रेणुकूट, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद सोनभद्र के रेणुकूट निवासी एवं ह्लल्लँङ्क क्ल्ल४२३१२ छेशी के बॉयलर को-जनरेशन विभाग में कार्यरत रवि सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए बुधवार को थाईलैंड के पटाया रवाना हो गए। वह 31 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली 9वीं हीरोज ताईक्वानडो इंटरनेशनल चैंपियनशिप-2026 में पुरुष अंडर-58 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगे। प्रतियोगिता में दुनिया के लगभग 30 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

रवि सिंह इससे पहले भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का गौरव बढ़ा चुके हैं। उन्होंने रोमानिया में आयोजित प्रतियोगिता में रजत पदक तथा नेपाल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ताईक्वानडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया था। उनकी इन उपलब्धियों ने उन्हें देश के उभरते हुए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में विशेष पहचान दिलाई है।

थाईलैंड रवाना होने से पहले रवि सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने विश्वास जताया कि पूरी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ खेलते हुए वह देश, प्रदेश और जनपद का नाम रोशन करने का पूरा प्रयास करेंगे। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने गुरु तथा माता-पिता को दिया।

रवि सिंह के थाईलैंड रवाना होने पर सोनभद्र के जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी तथा जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। वहीं हिण्डालको रेणुकूट के यूनिट प्रमुख समीर नायक, क्लस्टर एचआर हेड जसबीर सिंह, एचआर हेड अजय सिन्हा सहित विभागीय अधिकारियों और सहकर्मियों ने भी उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वर्णिम सफलता की शुभकामनाएं दीं।

रवि सिंह की इस उपलब्धि से रेणुकूट सहित पूरे सोनभद्र जनपद में उत्साह का माहौल है। खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि वह थाईलैंड में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन कर भारत के लिए पदक जीतेंगे और देश का मान बढ़ाएंगे।

महुली में मालगाड़ी की चपेट में आने से 13 वर्षीय बालक की मौत, गांव में मातम

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के महुली-फुलवार बॉर्डर पर सोमवार शाम एक दर्दनाक रेल हादसे में 13 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान शिवकुमार कन्नौजिया, पुत्र स्वर्गीय दीपक कुमार कन्नौजिया, निवासी ग्राम महुली के रूप में हुई है। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम के समय शिवकुमार अचानक रेलवे ट्रैक की ओर दौड़ गया। उसी दौरान तेज गति से आ रही एक मालगाड़ी की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना पर रेलवे पुलिस (जीआरपी) और विंढमगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की

कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी भेज दिया गया। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, यह घटना इसलिए भी बेहद मार्मिक है क्योंकि मृतक के पिता स्वर्गीय दीपक कुमार कन्नौजिया की भी कुछ वर्ष पूर्व इसी क्षेत्र के आसपास रेलगाड़ी की चपेट में आने से मृत्यु हुई थी। पिता और पुत्र की एक ही क्षेत्र में रेल हादसे में हुई मौत से ग्रामीण स्तब्ध हैं और इसे अत्यंत दुखद संयोग बता रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही मृतक के घर पर सांत्वना देने वालों का तांता लग गया। महुली समेत आसपास के गांवों में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दुकान में फंदे से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र के सरकी चौकी क्षेत्र अन्तर्गत मुर्की गाँव निवासी कामिल (18) पुत्र सैय्यद असरफ ने रविवार देर रात अज्ञात कारणों से अपनी ही असरफ वेल्डिंग वर्क शॉप की दुकान में फंदे के सहारे लटक कर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि कामिल अपने पिता के साथ दुकान पर रहकर वेल्डिंग का कार्य करता था और उनके काम में हाथ बंटाता था। रविवार की देर रात किसी समय उसने दुकान के अंदर फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों एवं ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मछलीशहर तहसील की नई बिल्डिंग में पानी टपकने से निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील परिसर में हाल ही में निर्मित नई बिल्डिंग में बारिश के दौरान पानी टपकने और सीलन आने की शिकायत सामने आई है। नई इमारत की छत और दीवारों पर नमी दिखाई देने से भवन निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि करोड़ों रुपये की लागत से तैयार इस भवन में ही बारिश के समय पानी रिसने लगा है। इससे भवन की मजबूती और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नई बनी सरकारी इमारतों में इस तरह की समस्या सामने आना गंभीर मामला है। उन्होंने भवन निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराकर दोषी जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामले में संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मेडिकल कॉलेज जौनपुर में लैप्रोस्कोपी विधि से पहला सफल ऑपरेशन, 17 वर्षीय युवती की हुई पित्त के पथरी की सर्जरी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। मेडिकल कॉलेज में पहली बार लैप्रोस्कोपी विधि से सफल ऑपरेशन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल के दिशा-निर्देशन में मुख्य सर्जन एवं जनरल सर्जरी

विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) ए.ए. जाफरी के नेतृत्व में सर्जरी विभाग की टीम ने खेतासराय निवासी 17 वर्षीय युवती का पित्त की पथरी का लैप्रोस्कोपिक ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति पूरी तरह सामान्य है और वह चिकित्सकों की निगरानी में उपचार ले रही है। इस सफल शल्य चिकित्सा में डॉ. इमरान, डॉ. नाजिया, डॉ. धनंजय, डॉ. राजन्य प्रजापति, डॉ. अली हैदर, नर्सिंग अधिकारी अनुज सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं एनेस्थीसिया विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरविन्द पटेल और सीनियर रेजिडेंट डॉ. दत्ता रेड्डी ने एनेस्थीसिया व्यवस्था में अहम भूमिका निभाई। प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर.बी. कमल ने इस उपलब्धि पर सर्जरी एवं एनेस्थीसिया विभाग की टीम को बधाई देते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेज में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज भविष्य में भी उन्नत तकनीक से जटिल शल्य चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

जौनपुर के मोहम्मद एजाजुद्दीन बने 'डॉक्टर', पूर्वांचल विश्वविद्यालय से हासिल की पीएचडी की उपाधि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के सदर विधानसभा क्षेत्र निवासी स्वर्गीय मोहम्मद हनीफ के पुत्र डॉ. मोहम्मद एजाजुद्दीन ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर जनपद का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, शुभचिंतकों और पूरे मोहल्ले में खुशी का माहौल है।

डॉ. मोहम्मद एजाजुद्दीन ने तिलकधारी महाविद्यालय में डॉ. जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में शोध कार्य पूरा किया। सफल शोध के उपरांत उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. एजाजुद्दीन ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माता, स्वर्गीय पिता मोहम्मद हनीफ तथा अपने शोध निदेशक डॉ. जयप्रकाश सिंह को दिया। उन्होंने कहा कि परिवार और गुरुजनों के सहयोग व मार्गदर्शन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी।

डॉ. एजाजुद्दीन ने बताया कि भविष्य में वह आकाशगंगाओं, विभिन्न प्रकार के तारों तथा सूर्य पर गहन वैज्ञानिक अध्ययन करना चाहते हैं। उनका उद्देश्य खगोल विज्ञान से जुड़ी जटिल जानकारियों को सरल भाषा में आम लोगों तक पहुंचाना तथा इस क्षेत्र में शोध के माध्यम से नई उपलब्धियां हासिल करना है। उनकी इस सफलता पर शिक्षकों, मित्रों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

30वें दीक्षांत समारोह के सफल कवरेज पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने मीडिया जगत का जताया आभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह को देशभर के प्रिंट एवं डिजिटल मीडिया में मिले व्यापक एवं सकारात्मक कवरेज पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने मीडिया जगत के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी संदेश में कहा गया कि पत्रकारों, संपादकों एवं विभिन्न मीडिया संस्थानों ने अपने समाचार-पत्रों, समाचार पोर्टलों और अन्य संचार माध्यमों के जरिए दीक्षांत समारोह को प्रमुखता से प्रकाशित एवं प्रसारित कर विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

संदेश में कहा गया कि मीडिया की निष्पक्ष, संवेदनशील और सकारात्मक पत्रकारिता ने न केवल विश्वविद्यालय के इस गौरवपूर्ण आयोजन को व्यापक पहचान दिलाई, बल्कि शिक्षा, शोध, नवाचार और अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति समाज में भी सकारात्मक संदेश पहुंचाया। विश्वविद्यालय ने कहा कि मीडिया ने गरिमा एवं उत्तरदायित्व के साथ आयोजन को प्रस्तुत कर विश्वविद्यालय परिवार का मनोबल बढ़ाया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी मीडिया का स्नेह, मार्गदर्शन और रचनात्मक सहयोग संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। अंत में समस्त पत्रकार बंधुओं, संपादकों एवं मीडिया संस्थानों के प्रति हार्दिक धन्यवाद एवं विनम्र कृतज्ञता व्यक्त की गई।

जौनपुर में कैंसर मरीजों के लिए राहत की खबर, हयात फातिमा हॉस्पिटल में हर रविवार बैठेंगे विशेषज्ञ डॉक्टर

परामर्श से लेकर आवश्यक सर्जरी तक निशुल्क सुविधा का दावा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के कैंसर मरीजों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अब सिर, गर्दन, मुंह, गला, नाक और कान से जुड़े कैंसर के इलाज के लिए मरीजों को बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। शहर के शाही किला के निकट स्थित हयात फातिमा हॉस्पिटल में प्रत्येक रविवार को कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को परामर्श देंगे। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार जांच, इलाज और जरूरत पड़ने पर सर्जरी की सुविधा निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

हॉस्पिटल के संचालक डॉ. आरिफ ने बताया कि लखनऊ में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. शहाब उस्मानी से हुई मुलाकात के बाद यह पहल शुरू की गई है। अब वह प्रत्येक रविवार को हयात फातिमा हॉस्पिटल में मरीजों को देखेंगे, जिससे जौनपुर समेत आसपास के जिलों के लोगों को स्थानीय स्तर पर विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में विशेष रूप से मुंह का कैंसर, गले का कैंसर, सिर एवं गर्दन का कैंसर, नाक और कान से संबंधित कैंसर के मरीजों का उपचार किया जाएगा। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सर्जरी भी निशुल्क किए जाने की व्यवस्था की गई है।

डॉ. शहाब उस्मानी हेड एंड नेक कैंसर एवं रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी के विशेषज्ञ हैं। उन्हें इस क्षेत्र में 15 वर्षों से अधिक का अनुभव है और वह 1500 से अधिक हेड एंड नेक कैंसर सर्जरी कर चुके हैं। उन्होंने अक्स्त्र ऋषिकेश और इख्क्ष टअ अस्पताल, नई दिल्ली से एडवांस रोबोटिक सर्जरी का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके अलावा उन्होंने ङ्कव के कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट और अक्स्त्र में कैंसर सर्जन के रूप में सेवाएं दी हैं।

वहीं, अस्पताल से जुड़े विशेषज्ञ डॉ. अर्चित कपूर हेड एंड नेक ऑनकोसर्जरी के वरिष्ठ परामर्शदाता हैं। उन्होंने ङ्कव लखनऊ से प्रशिक्षण और ढ्ढत्रक्क चंडीगढ़ से सुपर स्पेशलाइजेशन किया है। वह 1100 से अधिक कैंसर सर्जरी कर चुके हैं और जटिल कैंसर ऑपरेशन व रिकंस्ट्रक्शन में विशेषज्ञता रखते हैं।

अस्पताल प्रबंधन ने लोगों से अपील की है कि मुंह में लंबे समय तक रहने वाले छाले, गले में परेशानी, आवाज में बदलाव, निगलने में कठिनाई, गर्दन में गांठ या नाक-कान से संबंधित असामान्य लक्षण दिखाई देने पर समय रहते जांच कराएं।

नोट: हयात फातिमा हॉस्पिटल के अनुसार कैंसर इलाज में आयुष्मान भारत योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना, मुख्यमंत्री राहत कोष, विधायक निधि, एनजीओ एवं हेल्थ इंश्योरेंस के माध्यम से पात्र मरीजों को निशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।

वाराणसी में चर्चित डॉक्टर के बेटे पर दुष्कर्म का आरोप

महिला कर्मचारी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शहर के चर्चित चिकित्सक डॉ. पी.एन. तिवारी के पुत्र डॉ. अनुपम तिवारी के खिलाफ एक महिला कर्मचारी की शिकायत पर लालपुर-पांडेयपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। महिला ने दुष्कर्म, धमकी और मारपीट का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी थी।

महिला का आरोप है कि वह पिछले करीब ढाई वर्षों से पी.एन. सर्जिकल हॉस्पिटल, हुकुलगंज में कार्यरत थी। शिकायत में उसने आरोप लगाया कि डॉ. अनुपम तिवारी ने उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाए और विरोध करने पर नौकरी से निकालने, बदनाम करने तथा धमकी देने का दबाव बनाया। पीड़िता के अनुसार, 26 जुलाई को डॉक्टर ने उसे अपने केबिन में बुलाया और कथित रूप से जान से मारने की धमकी दी। उसने हॉस्पिटल स्टाफ के एक अन्य कर्मचारी सुमित मिश्रा पर भी मारपीट में शामिल होने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर पूछताछ की। करीब 24 घंटे तक चली पूछताछ के बाद पुलिस ने महिला की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली। मुकदमा संबंधित धाराओं 74, 75(2), 115(2) और 351(3) के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, आरोपों को लेकर संबंधित पक्षों का बयान अभी सामने नहीं आया है। मामले में पुलिस की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

गाजीपुर की बेटी ने रचा इतिहास, बीबीए में बनी यूनिवर्सिटी टॉपर

◆ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया स्वर्ण पदक से सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गाजीपुर की प्रतिभाशाली छात्रा शिवानी यादव ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 30वें दीक्षांत समारोह में शानदार उपलब्धि हासिल करते हुए बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) में विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) प्रदान कर सम्मानित किया।

दीक्षांत समारोह के दौरान जैसे ही शिवानी यादव ने मंच पर राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक प्राप्त किया, पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह क्षण उनके परिवार, शिक्षकों और पूरे गाजीपुर जनपद के लिए गर्व का विषय बन गया।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विकसित भारत के निर्माण में अपनी प्रतिभा, ज्ञान और तकनीकी दक्षता का योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के साथ नवाचार

और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी अपनाने की अपील की।

शिवानी यादव की यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर छोटे शहरों की बेटियाँ भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। उनकी इस सफलता से गाजीपुर सहित पूरे पूर्वांचल में खुशी की लहर है और उन्हें लगातार बधाइयाँ मिल रही हैं।

यह उपलब्धि क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का संदेश देती है।

आजमगढ़ में दो बच्चियां रहस्यमय तरीके से लापता, 24 घंटे बाद भी नहीं मिला सुराग

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से दो बच्चियों के रहस्यमय तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में चिंता का माहौल है। पिता ने मामले की सूचना मुबारकपुर थाने में तहरीर देकर दी है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चियां सोमवार सुबह

करीब 10 बजे घर से गायब हो गईं। काफी खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मुबारकपुर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा रोडवेज, रेलवे स्टेशन समेत अन्य स्थानों पर भी जानकारी जुटाई जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस टीम बच्चियों की सकुशल बरामदगी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। फिलहाल 24 घंटे बीत जाने के बाद भी बच्चियों का कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस की जांच और तलाश जारी है।

सोनभद्र में 24 लेखपालों का तबादला, दुद्धी तहसील के 11 लेखपालों का बदला कार्यक्षेत्र

दुद्धी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। जनपद सोनभद्र में राजस्व विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जिलाधिकारी की स्वीकृति के बाद अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा जारी आदेश के तहत जिले के 24 लेखपालों का स्थानांतरण किया गया है। स्थानांतरण प्रशासनिक आवश्यकता एवं कुछ मामलों में निजी अनुरोध के आधार पर किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार दुद्धी तहसील में कार्यरत 11 लेखपालों का कार्यक्षेत्र बदल दिया गया है। इनमें कई लेखपालों को राबर्ट्सगंज, ओबरा और घोरावल तहसीलों में तैनाती दी गई है। वहीं राबर्ट्सगंज, ओबरा और घोरावल से भी कई लेखपालों की तैनाती दुद्धी तहसील में की गई है।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने सभी स्थानांतरित लेखपालों को तत्काल प्रभाव से वर्तमान कार्यभार छोड़कर नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी लेखपाल को प्रतिस्थानी की प्रतीक्षा किए बिना नई तैनाती स्थल पर योगदान देना होगा।

दुद्धी से स्थानांतरित लेखपाल: पंकज कुमार चौबे (ओबरा), दुर्गेश पाण्डेय (राबट्र्सगंज), रमेश मिश्र (ओबरा), संतोष कुमार सिंह (राबट्र्सगंज), नेहा कुमारी (राबट्र्सगंज), राकेश कुमार (घोरावल), धीरज पटेल (घोरावल), चंद्रशेखर (घोरावल), अशोक जायसवाल (घोरावल), विनय कुमार सिंह (राबट्र्सगंज) तथा संतोष कुमार (राबट्र्सगंज)।

दुद्धी में नई तैनाती पाने वाले लेखपाल: साजिद खान (राबट्र्सगंज), प्रशान्त कुमार गुप्ता (ओबरा), सत्य प्रकाश दूबे (ओबरा), बबलू (ओबरा) तथा अमित शुक्ला (घोरावल)। राजस्व विभाग के इस प्रशासनिक फेरबदल को कार्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कौशल त्रिपाठी बने लायंस क्लब क्षितिज के अध्यक्ष, क्लब को मिले कई प्रतिष्ठित सम्मान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर क्षितिज का आठवां शपथ ग्रहण समारोह होटल रिवर व्यू में भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह में वर्ष 2026-27 के लिए कौशल त्रिपाठी ने अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की, जबकि हफीज शाह सचिव और डॉ. चंदन नाथ गुप्ता कोषाध्यक्ष बने। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उदय चांदनी, दीक्षा अधिकारी डॉ. क्षितिज शर्मा (GAT एरिया लीडर), अधिष्ठापन अधिकारी एवं वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उमेश चंद कक्कड़, संस्थापक अध्यक्ष शशांक सिंह रानू तथा निवर्तमान अध्यक्ष अतुल सिंह ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। लियो मायरा सिंह एवं सानवी सिंह ने गणेश वंदना तथा रजनी साहू ने ध्वज वंदना प्रस्तुत की।

शपथ ग्रहण अधिकारी उमेश चंद कक्कड़ ने अध्यक्ष कौशल त्रिपाठी सहित क्लब की नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। ढोल-नगाड़ों के बीच नव निर्वाचित अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया गया और नगर की विभिन्न सामाजिक

संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उन्हें पुष्पमालाओं से सम्मानित किया।

समारोह के दौरान डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उदय चांदनी ने लायंस क्लब इंटरनेशनल की ओर से जौनपुर क्षितिज को डिस्ट्रिक्ट 321ए का 'बेस्ट क्लब ऑफ द ईयर' तथा मंडल में सर्वाधिक रक्तदान करने के लिए सम्मानित किया। क्लब को इंटरनेशनल पिन एवं प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। साथ ही क्लब की 'हिन्दू व्रतोत्सव पर्व पत्रिका' का विमोचन भी किया गया।

इस अवसर पर ऋअळ एरिया लीडर डॉ. क्षितिज शर्मा ने संतोष गुप्ता, सुशील कुमार विश्वकर्मा, ताहिर कादरी 'सोनू' एवं वंशिका सिंह को क्लब की सदस्यता दिलाई।

कार्यक्रम का संचालन अर्चना सिंह ने किया, जबकि संयोजक राजीव गुप्ता एवं रत्नेश वैश्य ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

समारोह में पूर्व अध्यक्ष डॉ. दिलीप सिंह, जय कृष्ण साहू 'जैकी', विष्णु सहाय, धर्मेंद्र सेठ, प्रदीप सिंह, सैयद मोहम्मद मुस्तफा, मनीष गुप्ता, रामेश्वर त्रिपाठी, अरुण त्रिपाठी, राधेकृष्ण ओझा, आनंद अग्रहरि, डॉ. रजनीकांत द्विवेदी, आशीष गुप्ता 'आशु', विवेक सिंह, अनिल अस्थाना, ऋतु त्रिपाठी, आराधना सिंह सहित बड़ी संख्या में क्लब सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में सम्मानित हुई, शालिनी मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्विवांचल श्वविद्यालय में आयोजित तीसवें दीक्षांत समारोह में मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। पर्यावरण विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर सत्र 25-26 में शालिनी मिश्रा को प्रथम प्रयास में सर्वोच्च अंक प्राप्त होने पर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि मेजर जनरल गौरव गौतम एवं विशिष्ट अतिथि राज्य मंत्री, (उच्च शिक्षा) श्रीमती रजनी तिवारी रहीं।

शालिनी मिश्रा को पदक प्राप्त होने पर क्षेत्र में खुशी व्याप्त है। बताते चलें कि शालिनी मिश्रा, वरिष्ठ कवि,शायर एवं जिला उपाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ जौनपुर प्रशांत मिश्र की भतीजी हैं जो करंजाकला ब्लॉक स्थित परसनी, सिद्दीकपुर, जौनपुर के मूल निवासी हैं। शालिनी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजन, माता-पिता एवं परिवार के सभी बड़ों दिया है।

नकली नोटों की गड्डी का झांसा देकर महिला के जेवर लेकर फरार, सीसीटीवी से ठगों की तलाश में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कस्बे में ठगों ने नकली नोटों की गड्डी का लालच देकर एक महिला को अपना शिकार बना लिया। बदमाश महिला के गले की सोने की चेन और कान की बालियां लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ जनपद के बेलवाई गांव निवासी महिला शाहगंज कोतवाली क्षेत्र में अपने रिश्तेदार के यहां जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान दो अज्ञात युवकों ने उसे अपनी बातों में उलझा लिया। आरोप है कि युवकों ने महिला से कहा कि उनका एक परिचित रुपये लेकर आने वाला है। यदि वह उनकी मां बनकर साथ खड़ी हो जाए तो रुपये लेने में आसानी होगी और बाद में मिले पैसे आपस में बांट लेंगे। महिला उनकी बातों में आ गई।

इसके बाद ठगों ने एक पोटली में कागज की गड्डी को नोटों जैसा दिखाकर महिला का विश्वास जीत लिया। दोनों युवक महिला को शाहगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर ले गए और मौका पाकर उसके गले से सोने की चेन व कान की बालियां निकालकर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही शाहगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस घटनास्थल व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से मुर्गा व्यवसायी की मौत, चालक फरार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। रानी की सराय थाना क्षेत्र के सहीदवारा बाजार में मंगलवार सुबह हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत फरार हो गया।

पुलिस के अनुसार खैरपुर जगजीवन गांव निवासी 26 वर्षीय जयकिशन कुमार गांव के पास सड़क किनारे मुर्गे की दुकान चलाते थे। मंगलवार सुबह करीब नौ बजे वह बाइक से आजमगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सहीदवारा बाजार के पास सामने से आ रही कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि जयकिशन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची रानी की सराय थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि जयकिशन तीन भाइयों और एक बहन में तीसरे नंबर पर थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटे बच्चे हैं। युवक की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में शोक का माहौल है। पुलिस ने फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

पुलिसकर्मी के घर के दरवाजे से भैंस खोल ले गए चोर, दूसरी बार हुई चोरी की वारदात

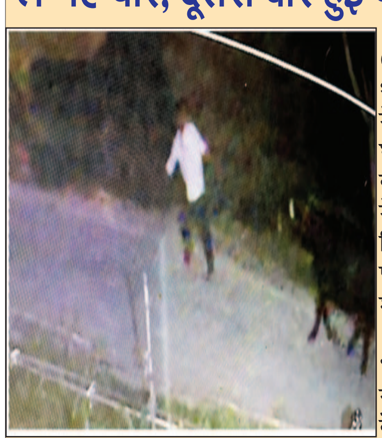

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जहानागंज थाना क्षेत्र के धनहुंआ गांव में चोरों ने पुलिसकर्मी के घर के बाहर बंधी भैंस चोरी कर ली। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार धनहुंआ गांव निवासी सत्यनारायण यादव के घर के बाहर भैंस बंधी हुई थी। देर रात अज्ञात चोर रस्सी खोलकर भैंस को अपने साथ ले गए। सुबह जब परिवार के लोग उठे तो भैंस गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि सत्यनारायण यादव के घर चोरी की यह दूसरी घटना है। इससे पहले भी उनके यहां चोरी हो चुकी है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में नाराजगी और असुरक्षा का माहौल है। घटना की जानकारी मिलते ही जहानागंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर चोरों की तलाश की जा रही है। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जाएगा।

कृपाशंकर सिंह ने प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा का किया स्वागत, जौनपुर के विकास मुद्दों पर हुई चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व गृहराज्य मंत्री एवं जौनपुर लोकसभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने मंगलवार को जनपद के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ए.के. शर्मा का आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान कृपाशंकर सिंह ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर प्रभारी मंत्री का अभिनंदन किया। स्वागत कार्यक्रम के दौरान दोनों नेताओं के बीच जौनपुर के समग्र विकास को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिले की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने, सड़क, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार सृजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने और विकास कार्यों में गति लाने पर जोर दिया गया। कृपाशंकर सिंह ने प्रभारी मंत्री को जौनपुर की प्रमुख विकास आवश्यकताओं, स्थानीय समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं से अवगत कराया। उन्होंने जनहित से जुड़े विषयों पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं कैबिनेट मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार जौनपुर के विकास के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जनपद से जुड़े महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा और जनहित के मामलों में सकारात्मक पहल की जाएगी।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस 28 जुलाई पर जन-जागरूकता संदेश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विश्व हेपेटाइटिस दिवस प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा इसके बचाव, समय पर जांच और उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करना है। वायरल हेपेटाइटिस यकृत (लीवर) की सूजन संबंधी बीमारी है, जो मुख्यतः वायरस के संक्रमण से होती है। समय पर पहचान और उचित उपचार से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। इस अवसर पर आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रम में हेपेटाइटिस के विभिन्न प्रकारों, उनके लक्षणों, बचाव के उपायों तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि हेपेटाइटिस ए एवं ई मुख्यतः दूषित भोजन और पानी से फैलते हैं, जबकि हेपेटाइटिस बी एवं सी संक्रमित रक्त, असुरक्षित सुई, असुरक्षित यौन संबंध तथा संक्रमित माँ से शिशु में फैल सकते हैं। हेपेटाइटिस डी केवल हेपेटाइटिस बी से संक्रमित व्यक्तियों में होता है। विशेषज्ञों ने बताया कि बुखार, कमजोरी, भूख न लगना, मतली, उल्टी, पेट दर्द, आंखों एवं त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), गहरे रंग का मूत्र तथा अत्यधिक थकान इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेकर जांच एवं उपचार कराना आवश्यक है। जनसामान्य से अपील की गई कि वे स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें, भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोएं, हेपेटाइटिस-बी का टीकाकरण अवश्य कराएं, केवल डिस्पोजेबल या स्टरलाइज्ड सुई एवं सिरिंज का ही प्रयोग करें, रक्त चढ़ाने से पहले जांचा हुआ सुरक्षित रक्त ही लें तथा रेजर, नेलकटर एवं टूथब्रश जैसी व्यक्तिगत वस्तुएं साझा न करें। सुरक्षित यौन व्यवहार अपनाने और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने पर भी विशेष बल दिया गया। कार्यक्रम में यह संदेश दिया गया कि वायरल हेपेटाइटिस एक ऐसी बीमारी है जिसकी रोकथाम और उपचार संभव है। समय पर जांच, टीकाकरण, स्वच्छता और जन-जागरूकता के माध्यम से इसके संक्रमण को प्रभावी ढंग से रोका जा सकता है। सभी नागरिकों से ह्लहेपेटाइटिस मुक्त समाजह्व के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया गया। इस अवसर पर डॉ. संतोष जायसवाल, नोडल अधिकारी, वायरल हेपेटाइटिस कार्यक्रम एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जौनपुर, डॉ. जियाउल हक, एपिडेमियोलॉजिस्ट, डीसीपीएम मो. खुबैब रजा, ब्लॉक स्तर के प्रतिभागी चिकित्सा अधिकारी, ए.आर.ओ., एच.ई.ओ. तथा अन्य स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तीन दिन बाद वृद्धा की लाश की हुई पहचान, परिजनों ने जिला अस्पताल पहुंचकर की शिनाख्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के बाजार स्थित पंचायत भवन से तीन दिन पूर्व बरामद हुई अज्ञात वृद्ध महिला की लाश की पहचान मंगलवार को हो गई। महिला की तलाश में तीन दिनों से परेशान परिजनों ने जिला अस्पताल पहुंचकर शव की शिनाख्त की। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के कलीचाबाद गांव निवासी सुरेंद्र नाथ श्रीवास्तव की 75 वर्षीय पत्नी प्रकाश बाला श्रीवास्तव बीते 25 जुलाई की सुबह करीब सात बजे घर से निकली थीं और वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिजन, रिश्तेदार और अन्य स्थानों पर उनकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी।

परिजनों को जानकारी मिली कि बक्सा थाना क्षेत्र के पंचायत भवन से पुलिस ने एक अज्ञात वृद्ध महिला का शव बरामद किया है। मंगलवार को परिजन जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने शव देखकर प्रकाश बाला श्रीवास्तव के रूप में पहचान की। परिजनों के अनुसार महिला के लापता होने के दिन ही लाइन बाजार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उन्होंने पुलिस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया, जिससे उन्हें तीन दिनों तक परेशान होना पड़ा।

वहीं, बक्सा पुलिस ने मौत के कारणों की जांच के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जंगल से भटककर गांव पहुंचा उदबिलाव, जाली में फंसा; वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

महुली ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज वन रेंज क्षेत्र के महुली गांव में मंगलवार को जंगल से भटककर आया एक दुर्लभ उदबिलाव आबादी क्षेत्र में पहुंच गया और एक घर के बाहर लगी लोहे की जाली में फंस गया। वन्यजीव को फंसा देखकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई, लेकिन लोगों ने समझदारी दिखाते हुए उसे नुकसान पहुंचाने के बजाय वन विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन दरोगा विवेक कुमार मौर्य के नेतृत्व में वन कर्मी ओम सिंह, देव यादव और जगदीश ने सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाया। कड़ी मशक्कत के बाद उदबिलाव को जाली से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

रेस्क्यू के बाद वन विभाग ने उसका प्राथमिक निरीक्षण किया और उसे सुरक्षित उसके प्राकृतिक आवास जंगल में छोड़ दिया। वन अधिकारियों ने बताया कि बरसात के मौसम में जलभराव, भोजन की तलाश या रास्ता भटकने के कारण कई बार वन्यजीव आबादी वाले इलाकों में पहुंच जाते हैं।

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि किसी भी वन्यजीव के दिखाई देने पर उससे दूरी बनाए रखें, भीड़ न लगाएं और तत्काल विभाग को सूचना दें। ग्रामीणों की जागरूकता और वन विभाग की तत्परता से दुर्लभ उदबिलाव का सफल रेस्क्यू संभव हो सका।

किसानों को एक ही छत के नीचे मिलेंगे समस्त कृषि निवेश एवं उचित परामर्श ,एग्री जंक्शन के 13 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न, वितरित हुआ प्रमाण पत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान सिद्धिकपुर में प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन (एग्रीजंक्शन) योजना के तहत चयनित 21 अभ्यर्थियों की 13 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उप कृषि निदेशक डा. अश्वनी कुमार सिंह ने कहा कि किसानों को समस्त कृषि निवेशों यथा बीज, उर्वरक, कीटनाशक, जैव उत्पाद, कृषि यंत्र और सरकारी योजनाओं की जानकारी एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगी, इन केंद्रों पर किसान आधुनिक तकनीक, मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक का सुझाव, फसल प्रबंधन और बाजार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, इसके अलावा छोटे कृषि यंत्र किराए पर मिलेंगे, उपकरणों की मरम्मत, कृषि उत्पादों की बिक्री और प्रसंस्करण की सुविधा भी मिलेगी। उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने बताया कि प्रत्येक वन स्टाप शॉप (एग्रीजंक्शन) केंद्र की लागत लगभग 4.22 लाख रुपया निर्धारित की गई है, जिसमें 3.5 लाख तक का बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा जिस पर 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा। पहले वर्ष में किराया सहायता के रूप में 24 हजार रुपए और प्रशिक्षण व अन्य खर्चों के लिए भी सहायता दी जाएगी। प्रति केंद्र 77900 तक की सहायता का प्रावधान है, उन्होंने कहा कि किसानों को उनके क्षेत्र में समय से कृषि निवेशों की उपलब्धता से जहा उत्पादन बढ़ेगा वही रोजगार का सृजन भी होगा। आरसेटी निदेशक उपेंद्र कुमार ने कहा कि योजना से किसानों को जहां एक ही जगह कृषि निवेश प्राप्त होंगे वही उचित परामर्श भी मिलने से लागत कम एवं उत्पादन अधिक प्राप्त होगी। चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र वितरित किया गया। अंत में अभिषेक दुबे वरिष्ठ संकाय द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। इस मौके पर कार्यालय सहायक जगदीश गौड़ सहित 21 प्रशिक्षु अभ्यर्थी मौजूद रहे।

यूपी में 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का तबादला, वाराणसी जोन को मिले नए एडीजी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को प्रदेश की पुलिस व्यवस्था में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। तबादला सूची में एडीजी, आईजी और एसपी स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सरकार ने इसे कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

तबादलों के तहत 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी नवीन अरोड़ा को अपर पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएं) से स्थानांतरित कर एडीजी वाराणसी जोन बनाया गया है। वहीं 1998 बैच के आईपीएस अधिकारी पीयूष मोर्डिया को वाराणसी जोन के एडीजी पद से हटाकर पुलिस कमिश्नर प्रयागराज नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 1995 बैच के आईपीएस मुथा अशोक जैन को गोरखपुर जोन से स्थानांतरित कर पुलिस महानिदेशक, अग्निशमन एवं आपात सेवाएं बनाया गया है। राम कुमार को एडीजी लॉजिस्टिक्स से एडीजी गोरखपुर जोन की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि तरुण गाबा को लखनऊ का नया पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया है। तबादला सूची के अनुसार अमरेन्द्र के. सेंगर को पुलिस महानिदेशक अभिसूचना के साथ सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं भगवान एस. श्रीवास्तव को एडीजी तकनीकी सेवाएं, धर्मवीर को आईजी पीएसी पूर्वी जोन प्रयागराज, मोहित गुप्ता को आईजी भ्रष्टाचार निवारण संगठन, विनोद कुमार सिंह को आईजी विशेष जांच, जोगेन्द्र कुमार को आईजी पीटीएस मुरादाबाद तथा आनंद सुरेशराव कुलकर्णी को सचिव (गृह) बनाया गया है। इसके अतिरिक्त अनूप कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू और आनंद कुमार को पुलिस अधीक्षक लोक शिकायत, पुलिस मुख्यालय लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इ सरकार के इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल को प्रदेश में पुलिस प्रशासन को अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने और कानून-व्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

गुरु पूर्णिमा पर कलाकारों ने साझा की गुरुओं से मिली सीख

पटना। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 की जज करिश्मा कपूर, जावेद जाफरी और गीता कपूर, तथा 'तुम हो ना' के होस्ट राजीव खंडेलवाल ने अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। करिश्मा कपूर ने कहा कि उनके गुरुओं ने उन्हें सिर्फ डांस नहीं, बल्कि दिल से मंच को अपनाना सिखाया। उन्होंने उम्मीद जताई कि वही मार्गदर्शन इस सीजन के प्रतिभाशाली कंटेस्टेंट्स तक भी पहुँचेगा। जावेद जाफरी ने कहा कि असली गुरु व्यक्ति की झिझक दूर कर उसके असली रूप को सामने लाते हैं। उन्होंने शो के कोरियोग्राफर्स को भी सम्मान दिया, जो निस्वार्थ भाव से 'इंडिया वाला डांस' का भविष्य गढ़ रहे हैं। गीता कपूर ने अपनी मेंटर फराह खान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने टैलेंट को सख्त प्यार और खुले दिल से संवारना सिखाया। उन्होंने 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' को एक ऐसा गुरुकुल बताया जहाँ सपने पसीने, आँसुओं और अटूट विश्वास से आकार लेते हैं। राजीव खंडेलवाल ने अपने माता-पिता को अपना पहला गुरु बताते हुए कहा कि जीवन में शिक्षक, मेंटर, निर्देशक, सहकर्मी, दोस्त और कभी-कभी अजनबी लोग भी बहुत कुछ सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि तुम हो ना घर की सुपरस्टार के कंटेस्टेंट्स की प्रेरणादायक कहानियों से भी उन्हें नए दृष्टिकोण और महत्वपूर्ण सीख मिली है।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर दुल्हन-सी सजी काशी

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में काशी को दुल्हन की तरह सजाया गया है। शहर के प्रमुख चौराहे, मार्ग और संत रविदास जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर रंग-बिरंगी झालरों, विद्युत सज्जा, स्वागत द्वारों और विशाल होर्डिंग्स से जगमगा उठे हैं। जयंती समारोह को लेकर पूरे शहर में उत्सवी वातावरण दिखाई दे रहा है। भाजपा की ओर से शहर के लगभग 20 प्रमुख चौराहों और तिराहों पर विशेष सजावट कराई गई है। इनमें मालवीय प्रतिमा लंका गेट, गुरुधाम, भेलूपुर, सोनारपुरा, गौदौलिया, मैदागिन, चौक, कबीर मठ, लहुराबीर, सरदार पटेल प्रतिमा मलदहिया, सिगरा, संत अतुलानंद, गिलट बाजार, भोजूबीर, सर्किट हाउस, गोलघर, अंबेडकर चौराहा, पुलिस लाइन, चौकाघाट और तेलियाबाग प्रमुख हैं। इन स्थानों पर संत रविदास जी के जीवन, समरसता और मानवता के संदेश को प्रदर्शित करते बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। संत रविदास जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर आने वाले श्रद्धालुओं और अतिथियों के स्वागत के लिए आठ भव्य स्वागत द्वार बनाए गए हैं। ये द्वार सीर गेट, रविदास मंदिर, रविदास स्कूल, रविदास पार्क, सहज एकेडमी के पास वीआईपी गेट, काशीपुरम कॉलोनी के सामने, लौटूबीर बाबा मंदिर और डाफी टोल प्लाजा के पास स्थापित किए गए हैं। सभी द्वारों को जयंती समारोह की थीम के अनुरूप विशेष रूप से सजाया गया है। समारोह क्षेत्र में प्रकाश की विशेष व्यवस्था की गई है। बीएचयू सीर गेट से रविदास पार्क होते हुए कार्यक्रम स्थल तक झालरों और विद्युत लाइटों की लंबी श्रृंखला लगाई गई है। रविदास पार्क को भी अलग से आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। मंगलवार शाम यहां 11 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे, जिससे पूरा क्षेत्र अलौकिक आभा से भर उठेगा। रविदास मंदिर को भी विशेष प्रकाश सज्जा से सुसज्जित किया गया है।

केवल शहर ही नहीं, आसपास के गांवों और प्रमुख मार्गों पर भी हजारों बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इनके माध्यम से संत रविदास जी के समरसता, समानता और मानव कल्याण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। लंका से चौक और लहुराबीर से मलदहिया तक सजे मार्ग, जगमगाते चौराहे और जन्मस्थली की भव्य सजावट ने काशी को उत्सवमय बना दिया है। शाम ढलते ही रोशनी से नहाई गलियां और मार्ग श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं। संत रविदास की 650वीं जयंती पर काशी में श्रद्धा, समरसता और उत्सव का अनूठा संगम दिखाई दे रहा है।

जौहर यूनिवर्सिटी मामले में आंदोलन जारी रहेगा, नोटिस वापसी तक धरना-प्रदर्शन का ऐलान: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों को ध्वस्त करने संबंधी नोटिस वापस होने तक लोकतांत्रिक तरीके से धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन अभियान जारी रहेगा।

पीडीए भवन, कटघरा में आयोजित प्रेस वार्ता में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि मुरादाबाद मंडल के कमिश्नर द्वारा अंतिम निर्णय तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाया जाना स्वागत योग्य है, लेकिन यह केवल आंशिक सफलता है। उन्होंने कहा कि जब तक नोटिस पूरी तरह वापस नहीं लिया जाता, तब तक समाजवादी पार्टी समेत विभिन्न सामाजिक संगठन अपने स्तर से आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी के 40 भवनों में से 38 भवनों को ध्वस्त करने की कार्रवाई शिक्षा के हितों के खिलाफ है। विश्वविद्यालय केवल भवनों का समूह नहीं होता, बल्कि यह शिक्षा, शोध और हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा संस्थान होता है। सपा नेता ने कहा कि यदि निर्माण से संबंधित कोई प्रशासनिक या तकनीकी कमी है तो उसका समाधान कानूनी प्रक्रिया के तहत किया जाना चाहिए। किसी शिक्षण संस्थान को ध्वस्त करना अंतिम और कठोर कदम है, जिस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है।मोहम्मद अरशद खान ने बताया कि इस मामले में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य संवैधानिक पदाधिकारियों को पत्र भेजकर न्यायसंगत समाधान की मांग की गई है। उन्होंने शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों और छात्र संगठनों से भी शिक्षा संस्थानों के संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा, संविधान और कानून के शासन की रक्षा सभी की जिम्मेदारी है और किसी भी विवाद का समाधान संवाद एवं संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना चाहिए।

डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल में दुर्लभ दोहरी नेत्र सर्जरी से 62 वर्षीय मरीज की लौटी रोशनी

नवी मुंबई। नवी मुंबई के वाशी निवासी 62 वर्षीय सुभाष विष्णु चाचे की दृष्टि डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल में की गई एक दुर्लभ और जटिल दोहरी नेत्र सर्जरी के बाद सफलतापूर्वक बहाल हुई है। मरीज की आंख में परिपक्व मोतियाबिंद के साथ कॉर्निया पर गहरा निशान (कॉर्नियल स्कार) था, जिसके कारण उनकी दृष्टि लगभग समाप्त हो चुकी थी। अस्पताल के वडाला स्थित विशेषज्ञों ने मोतियाबिंद सर्जरी के साथ पिनहोल पुपिलोप्लास्टी (ढढढ) तकनीक का उपयोग कर उनकी दृष्टि में उल्लेखनीय सुधार किया।

डॉक्टरों के अनुसार, मरीज की आंख में दो गंभीर समस्याएं थीं। एक ओर मोतियाबिंद के कारण आंख का प्राकृतिक लेंस पूरी तरह धुंधला हो चुका था, वहीं दूसरी ओर कॉर्निया पर बने गहरे निशान के कारण प्रकाश सही ढंग से आंख के भीतर नहीं पहुंच पा रहा था। केवल मोतियाबिंद की सर्जरी पर्याप्त नहीं थी, इसलिए दोनों प्रक्रियाओं को एक साथ किया गया।

वडाला स्थित डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के मोतियाबिंद विशेषज्ञ डॉ. स्मित एम. बावरिया ने बताया कि पिनहोल पुपिलोप्लास्टी में पुतली का आकार छोटा कर उसे केंद्र में लाया जाता है, जिससे प्रकाश अधिक सटीक रूप से रेटिना तक पहुंचता है और कॉर्निया पर निशान होने के बावजूद दृष्टि बेहतर हो जाती है। इस संयुक्त सर्जरी के कारण मरीज को कॉर्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता नहीं पड़ी। वाशी केंद्र के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रतीक यशवंत गोगरी ने बताया कि मरीज पहले कई विशेषज्ञों से सलाह ले चुके थे और अपनी स्थिति को लेकर चिंतित थे।

विस्तृत जांच के बाद यह स्पष्ट हुआ कि सही उपचार से उनकी दृष्टि में सुधार संभव है। डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल, वाशी की चीफ स्ट्रैटेजी ऑफिसर एवं हेडझ्क्लिनिकल सर्विसेज डॉ. वंदना जैन ने कहा कि कॉर्निया और लेंस दोनों से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों के इलाज में विशेषज्ञों के समन्वय और आधुनिक तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में हाल ही में रोबोटिक मोतियाबिंद सर्जरी सुविधा भी शुरू की गई है, जिससे जटिल मामलों का बेहतर उपचार संभव हो रहा है।

वडाला स्थित आदित्य ज्योत आई हॉस्पिटल (डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल की इकाई) के चीफ क्लिनिकल सर्विसेज प्रमुख पद्मश्री डॉ. एस. नटराजन ने कहा कि इस प्रकार के जटिल मामलों के लिए उन्नत सर्जिकल कौशल, विशेष सुविधाएं और अनुभवी टीम की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि जिन मरीजों को अन्य स्थानों पर सर्जरी से मना कर दिया गया हो, उनके लिए भी अस्पताल में उपचार के बेहतर विकल्प उपलब्ध हैं।

इस तकनीक को एक दशक से अधिक पहले प्रसिद्ध नेत्र शल्य चिकित्सक और डॉ. अग्रवाल्स आई हॉस्पिटल के अध्यक्ष डॉ. अमर अग्रवाल ने विकसित किया था। पिनहोल पुपिलोप्लास्टी का उद्देश्य कॉर्नियल स्कार वाले चयनित मरीजों में दृष्टि सुधारना और कॉर्निया प्रत्यारोपण की आवश्यकता को कम करना है। 257 मरीजों पर किए गए अध्ययन में सर्जरी के बाद दृष्टि में उल्लेखनीय सुधार देखा गया और लगभग 85 प्रतिशत मरीजों को वाहन चलाने योग्य दृष्टि प्राप्त हुई।

करीब एक घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी के बाद सुभाष चाचे की दूर की दृष्टि 6/9 और निकट की दृष्टि ठ8 तक सुधर गई। अब वे चेहरे पहचानने, टीवी देखने, पढ़ने और बिना सहारे चलने जैसे दैनिक कार्य आसानी से कर पा रहे हैं।

सुभाष चाचे ने कहा, ॰लंबे समय से कम दिखाई देने के कारण मेरा जीवन बेहद कठिन हो गया था। डॉक्टरों ने मेरी स्थिति को समझकर सही उपचार किया। अब मैं फिर से साफ देख सकता हूं, लोगों को पहचान सकता हूं और बिना किसी सहायता के चल-फिर सकता हूं। ऐसा लगता है जैसे मुझे मेरा जीवन वापस मिल गया है। मैं पूरी मेडिकल टीम का दिल से आभारी हूं।

मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड का Q1 मुनाफा 14.17% बढ़ा

मुंबई। हैदराबाद की रिजिड प्लास्टिक पैकेजिंग कंपनी मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड ने 30 जून को खत्म हुई तिमाही में 25.57 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफि ट दर्ज किया, जबकि एक साल पहले यह 22.40 करोड़ रुपये था। रेवेन्यू सालाना आधार पर 24.90% बढ़कर 240.56 करोड़ रुपये से 300.45 करोड़ रुपये हो गया। एबिटडा 19.10% बढ़कर 56.43 करोड़ रुपये हो गया, जबकि प्रति किलोग्राम एबिटडा क्यू1 एफवाय27 में 46.68 रुपये के ₹अब तक के सबसे ऊंचे स्तर (हिस्टोरिकल हाई) पर पहुंच गया; इसकी तुलना में क्यू1 एफवाय26 में यह 41.64 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसमें बेहतर कैपेसिटी यूटिलाइजेशन, हैदराबाद यूनिट्स के कंसोलिडेशन और ज्यादा मार्जिन वाले फार्मा पैकेजिंग बिजनेस से बेहतर योगदान का अहम रोल रहा। टैक्स से पहले का प्रॉफि ट 13.86% बढ़कर 34.17 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 30.01 करोड़ रुपये था। चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जे. लक्ष्मण राव ने कहा, युद्ध जैसी मौजूदा स्थिति के बावजूद, मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड ने एफवाय 2026-27 की मजबूत शुरूआत की और 30 जून, 2026 को खत्म हुई पहली तिमाही में शानदार परफॉर्मेंस दी। हैदराबाद में यूनिट्स को एक साथ लाने और ज्यादा कैपेसिटी का इस्तेमाल करने से बेहतर एबिटडा हासिल हुआ। इस तिमाही के दौरान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, कंपनी के कामकाज, सप्लाई चेन या वित्तीय प्रदर्शन पर कोई खास असर नहीं पड़ा, क्योंकि इनपुट की बढ़ी हुई लागत को ग्राहकों पर प्रभावी ढंग से डाल दिया गया। यह शानदार ऑल-राउंड परफॉर्मेंस, ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर मोल्ड-टेक के पक्के फोकस और हैदराबाद में यूनिट्स को रणनीतिक रूप से एक साथ लाने के नतीजों को दिखाता है, जिससे अब मुनाफा बढ़ रहा है।

पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

थाणे (उत्तरशक्ति)। पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की का जन्मदिन 28 जूलाई 2026 को उनके निवास स्थान ठाकुर्ली में बड़े धूमधाम से मनाया गया। उनके पैतृक गांव पिपरी मोड़ पोस्ट सरायगनई जनपद प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। अवधेश का जन्मदिन दिनांक 28 जुलाई 2026 को बड़े धूमधाम से उनके पैतृक गांव में भी मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख लोगों के उपस्थित में केक काटा गया। इसके बाद लोगों ने करध्वन के साथ अवधेश मिश्रा रिक्की को जन्मदिन की मंगल बधाई देते हुए उनका मुंह मिठा कराया गया लोगों ने उनके द्वारा किए गए सांस्कृतिक सामाजिक और धार्मिक कार्यों की भूरि भूरि सराहना करते हुए लोगों ने बधाई दी। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक मामा प्रेम चंद मिश्रा, के के मिश्रा, भरत शुक्ला, डॉ शेषधर विंद ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। जन्मदिवस पर रोहियांव से आशू मिश्रा, प्रिंश मिश्रा (भावी प्रधान), द्विवेश मिश्रा (छोटू मिश्रा), अवनिस मिश्रा (अनुज), अंश मिश्रा, कान्हा मिश्रा, संतोष सिंह (गोलू सिंह), पिता विजय शंकर मिश्र मध्यप्रदेश पुलिस, माता श्रीमती उर्मिला मिश्रा, बड़े पापा रमाशंकर मिश्रा (सुबेदार), दयाशंकर मिश्र, बड़े भाई दुर्गेश मिश्रा (विक्की मिश्रा), मामा फूलचंद मिश्रा, उमाशंकर मिश्र, रमापति, सभापति मिश्रा, विजय चंद मिश्रा (रिंकू) सहित कई लोगों ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। वहीं बड़े मामा प्रेम चंद मिश्रा ने बधाई देते हुए कहा कि मृग की कस्तुरी के सुगंध की भांति। अवधेश मिश्रा जी आप के किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले।। आप के जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

आषाढ़ी एकादशी पर सारथी फाउंडेशन ने किया तुलसी वितरण कार्यक्रम का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आषाढ़ी एकादशी के पावन अवसर पर सारथी फाउंडेशन द्वारा राम मंदिर परिसर में श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ तुलसी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर तुलसी के पौधे ग्रहण किए तथा पर्यावरण संरक्षण एवं धार्मिक परंपराओं के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर सारथी फाउंडेशन के संस्थापक जनक संघवी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग, स्नेह और विश्वास के कारण यह सेवा कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि तुलसी माता का आशीर्वाद सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य एवं समृद्धि लेकर आए। साथ ही भविष्य में भी समाजहित एवं जनसेवा के ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित जनों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

यूरोप-आसियान बिजनेस काउंसिल द्वारा अवैध व्यापार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

मुंबई। यूरोप-आसियान बिजनेस काउंसिल ने अवैध व्यापार के खिलाफ अधिक समन्वित और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया है। काउंसिल ने इसे आसियान के दीर्घकालिक आर्थिक विकास, जन सुरक्षा और सप्लाई चेन की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बताया है। अपनी नई रिपोर्ट ड्राईविंग आसियान एक्शन अगेंस्ट इल्लिसिट ट्रेड: ए स्ट्रेटिजिक, फिलीपींस प्रायरिटी इकॉनॉमिक डिलीवरेबल्स (पीईडी)- एलाईड ब्लूप्रिंट फॉर द फिलीपींस 2026 आसियान चेयरशिप (रिपोर्ट) में यूरोप-आसियन बिजनेस काउंसिल ने एक विस्तृत प्रिवेंशन फ्रेमवर्क पेश किया है और क्षेत्र में अवैध व्यापार को रोकने के लिए भारत सहित अन्य आसियान डायलॉग पार्टनर्स की भूमिका पर जोर दिया है। यूरोप-आसियान बिजनेस काउंसिल के एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर क्रिस हम्फ्रे ने कहा, अवैध व्यापार से न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि स्वास्थ्य, सुरक्षा, पर्यावरण और संगठित अपराध जैसी गंभीर चुनौतियां भी बढ़ती हैं। फिलीपींस इस पहल का नेतृत्व करने के लिए अच्छी स्थिति में है और हमें विश्वास है कि यह रिपोर्ट आसियान की इस लड़ाई को मजबूत करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, मजबूत प्रवर्तन क्षमता और रिस्क-बेस्ड ट्रेड गवर्नेंस के कारण अहम डायलॉग पार्टनर बन सकता है। बेहतर सहयोग, इंटेलिजेंस शेयरिंग और प्री-एक्सपोर्ट एश्योरेंस तंत्र के जरिए भारत सुरक्षित और पारदर्शी व्यापार व्यवस्था को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। रिपोर्ट में संस्थागत समन्वय मजबूत करने, सदस्य देशों के बीच नीतियों और नियामकीय ढांचे में तालमेल बढ़ाने, कस्टम्स में डिजिटल तकनीक के उपयोग से जोखिम प्रबंधन सुधारने, सेक्टर-विशिष्ट नियामक सिद्धांत विकसित करने तथा निजी क्षेत्र और डायलॉग पार्टनर्स के साथ संरचित सहयोग बढ़ाने की सिफारिश की गई है। फिलिप मॉरिस इंडिया (पीएम इंडिया) के मैनेजिंग डायरेक्टर नवनील कर ने कहा कि अवैध तंबाकू व्यापार राजस्व, बाजार की पारदर्शिता और कानून के शासन को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि विश्वसनीय डेटा, विश्लेषणात्मक शोध, मार्केट इंटेलिजेंस और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के माध्यम से अवैध व्यापार की रोकथाम तथा वैध व्यापार की पारदर्शिता और अनुपालन को मजबूत करने के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है।

दौर महापौर ने कहा 15 अगस्त तक चालू होगी मास्टर प्लान की रोड

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के किला मैदान तिराहे से जिंसी होते हुए नेमीनाथ चौराहे तक मास्टर प्लान की रोड बनाई जा रही है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर निगम के जन कार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर और निगम के अधिकारियों ने जमीनी हकीकत देखी। महापौर ने अधिकारियों को काम की क्वालिटी को लेकर चेताया। उन्होंने अधिकारियों से रोड बनाने के काम की डिटेल जानकारी ली और कहा कि किला मैदान तिराहा से जिंसी चौराहा होते हुए नेमीनाथ चौराहे तक बनने वाली यह रोड शहर के प्रमुख और अत्यधिक व्यस्त रास्तों में से एक है। इस रोड के पूरा होने से इलाके के लोगों को बेहतर ट्रैफिक सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि टाइम पर काम पूरा करें और क्वालिटी के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। महापौर ने यहां रहवासियों से बातचीत की। लोगों ने रोड के काम की प्रोग्रेस पर संतोष जताया। महापौर ने अधिकारियों से कहा कि रोड बनाने के दौरान लोगों को कम से कम असुविधा हो और ट्रैफिक व्यवस्था भी सुचारू रूप से चलती रहे। महापौर ने रोड बनाने के साथ-साथ स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज लाइन, पानी की सप्लाई की लाइन और सीवरेज लाइन बनाने के कामों का भी रिव्यू किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न कामों की वर्तमान स्थिति, टेक्निकल प्रोग्रेस और बचे हुए कामों की जानकारी ली। उन्होंने सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर समय पर काम पूरा करने को कहा। महापौर ने विशेष रूप से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तिराहा से जिंसी चौराहे तक एक लेन का काम तेजी से पूरा करने को कहा और कहा कि बाकी जरूरी काम भी 15 अगस्त तक हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि इस रोड पर एक लेन का ट्रैफिक शुरू किया जा सके। इससे इलाके में आवागमन सुचारू होगा और लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

पीएनबी मेटलाइफ ने सिवान में नई शाखा खोलकर अपनी उपस्थिति मजबूत की

सिवान। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ), ने सिवान, बिहार में अपनी नई शाखा के उद्घाटन की घोषणा की। शाखाओं का उद्घाटन कंपनी की इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह बीमा को और अधिक सुलभ बनाना चाहती है, ताकि ग्राहकों को जहाँ भी वे हों, पॉलिसी सेवाएँ और भरोसेमंद सलाह उपलब्ध हो सके। समीर बंसल, एमडी और सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ ने कहा, ह्वविश्वास हमेशा से पीएनबी मेटलाइफ के अपने ग्राहकों के साथ संबंधों की नींव रहा है। भारत भर में अब 184 शाखाओं के साथ, हम न केवल अपनी पहुँच का विस्तार कर रहे हैं बल्कि इस भरोसे को और मजबूत कर रहे हैं कि ग्राहक हर कदम पर हम पर निर्भर कर सकते हैं।

कॉन्ट्रैक्टर की लूट और प्रशासनिक निष्क्रियता अब और बर्दाश्त नहीं होगी: स्नेहा दुबे पंडित

वसई-विरार। वसई-विरार शहर की जनता की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने नगर निगम आयुक्त पृथ्वीराज बी.पी.एस. को एक आधिकारिक पत्र भेजकर वसंतनगरी को वसई ईस्ट और वेस्ट से जोड़ने वाले मुख्य पुल के पूर्वी हिस्से तथा उससे जुड़ी मुख्य सड़क की जर्जर स्थिति पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। विधायक ने कहा कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण नागरिकों को रोजाना गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण यातायात बाधित रहता है और कई बार लोगों को ईस्ट-वेस्ट मार्ग पार करने में एक घंटे तक का समय लग जाता है। इससे न केवल भारी ट्रैफिक जाम लगता है, बल्कि एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं के प्रभावित होने से लोगों की जान भी जोखिम में पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सड़क मात्र दो वर्ष पहले बनाई गई थी, लेकिन आज इसकी हालत बेहद खराब है। इससे स्पष्ट होता है कि निर्माण कार्य निम्न गुणवत्ता का था तथा तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई थी। विधायक का कहना है कि यह सरकारी धन के दुरुपयोग और निर्माण कार्य में गंभीर लापरवाही का मामला है। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग तीन महीने पहले नगर आयुक्त के निरीक्षण के दौरान इस सड़क की खराब स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया गया था, लेकिन अब तक न तो मरम्मत का कोई ठोस कार्य शुरू हुआ है और न ही जिम्मेदार अधिकारियों अथवा संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 19 अगस्त 2026 तक उपरोक्त मांगों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो 20 अगस्त 2026 से क्षेत्र के नागरिकों के साथ मिलकर उक्त सड़क पर व्यापक और शांतिपूर्ण जनआंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा और सार्वजनिक धन की जवाबदेही से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हनुमान सिंह का सिसई घाट पर हुआ अंतिम संस्कार

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री हनुमान सिंह का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से जनपद सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार को राप्ती नदी के तट स्थित बलरामपुर के सिसई घाट पर पूरे राजकीय, राजनीतिक एवं सामाजिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंत्री, सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि, अधिवक्ता, कार्यकर्ता, व्यापारी तथा बड़ी संख्या में शुभचिंतक उपस्थित रहे। सभी ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। पूर्व कैबिनेट मंत्री हनुमान सिंह का राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन जनसेवा, सादगी, न्यायप्रियता और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। उनके निधन को जनपद एवं प्रदेश के सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारियों तथा अन्य वर्गों के लोगों ने भी शोक व्यक्त किया। भारतीय जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी डी.पी. सिंह बैस ने बताया कि वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रख्यात समाजसेवी हनुमान सिंह के निधन से बलरामपुर सहित पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सामाजिक सेवा, न्याय और जनकल्याण के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण था। स्वर्गीय हनुमान सिंह का जन्म 1 मई 1943 को जनपद बस्ती के ग्राम मरबटिया में हुआ था। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से विधि शिक्षा प्राप्त की तथा वर्ष 1965 से बलरामपुर में अधिवक्ता के रूप में अपनी सेवाएं प्रारंभ कीं। उन्होंने समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वर्ष 1985 में पहली बार बलरामपुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा। वर्ष 1989 में पहली बार विधायक निर्वाचित हुए तथा वर्ष 1991 में पुनः विधायक बने। मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में 24 जून 1991 से 6 दिसंबर 1992 तक गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया।

काशी की पावन माटी से देश में गूंजा समरसता का संदेश

-सुरेश गांधी

वाराणसी। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष पर मंगलवार को काशी की धरती आस्था, समरसता और सामाजिक एकता के विराट उत्सव की साक्षी बनी। संत रविदास की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी समरसता संकल्प अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। जन्मस्थली की पावन माटी का पूजन कर उसे 131 कलशों में संग्रहित किया गया और फिर भव्य शोभायात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता, समानता और मानव गरिमा का संदेश देशभर में पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संत रविदास महाराज की प्रतिमा पर पुष्पार्चन से हुई। भाजपा नेताओं, संत-महात्माओं और रैदासी परंपरा के प्रतिनिधियों ने वैदिक मंत्रोच्चार और परंपरागत विधि-विधान से जन्मस्थली की पवित्र माटी का पूजन किया। इसके बाद माटी को 131 कलशों में भरकर विशेष पूजा-अर्चना की गई।

शोभायात्रा बनी आस्था और समरसता का जीवंत दृश्य

कलश पूजन के बाद निकली भव्य शोभायात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। शोभायात्रा में सबसे आगे बैंड-बाजे और पारंपरिक वाद्ययंत्र चल रहे थे। उनके पीछे सुसज्जित घोड़े आकर्षण का केंद्र बने। पीले रंग की साड़ी पहने 131 महिलाएं सिर पर पवित्र माटी से भरे कलश लेकर अनुशासित पंक्तियों में चल रही थीं। सबसे पीछे फूलों से सुसज्जित बग्घी पर संत रविदास महाराज का चित्र विराजमान था।

मार्ग के दोनों ओर खड़े श्रद्धालु पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत कर रहे थे। ह्यजय गुरु रविदासह्ण और समरसता के नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। श्रद्धा और उल्लास से सराबोर यह शोभायात्रा संत रविदास मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई, जहां सभी पूजित कलशों को सुरक्षित रखा गया।

शोभायात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और संत-महात्माओं ने संत रविदास महाराज की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी दर्शन-पूजन के लिए उपस्थित रहे।

20 हजार से अधिक स्थानों तक पहुंचेगी जन्मस्थली की माटी

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि संत रविदास की जन्मस्थली की पावन माटी को देश के 20 हजार से अधिक स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का राष्ट्रीय अभियान है, जिसका उद्देश्य संत रविदास के समरस समाज, समानता और मानव कल्याण के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि संत रविदास ने भक्ति को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया और बेगमपुरा की ऐसी कल्पना की, जहां न दुख हो, न भेदभाव और न ही किसी प्रकार का सामाजिक अन्याय। 650वीं जयंती वर्ष उनके विचारों को राष्ट्रीय स्तर पर पुनः स्थापित करने का ऐतिहासिक अवसर है। तरुण चुग ने बताया कि 29 जुलाई को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की उपस्थिति में 27 राज्यों से आए प्रतिनिधियों को पवित्र माटी से भरे कलश सौंपे जाएंगे। इसके बाद प्रतिनिधि अपने-अपने राज्यों में समरसता यात्रा और कार्यक्रमों के माध्यम से संत रविदास का संदेश पहुंचाएंगे।

एकै माटी के सभ भांडे का संदेश आज भी प्रासंगिक

भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि संत रविदास ऐसे समय में प्रकट हुए, जब समाज जातिगत विषमता और कुरीतियों से जूझ रहा था। उन्होंने अपने जीवन और वाणी से स्पष्ट किया कि मनुष्य की पहचान जन्म से नहीं, बल्कि कर्म और चरित्र से होती है।

उन्होंने संत रविदास की वाणी एकै माटी के सभ भांडे का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संदेश समस्त मानवता की एकता और समानता का प्रतीक है। सामाजिक भेदभाव किसी भी समाज और राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी है।

संत रविदास संपूर्ण मानवता के पथप्रदर्शक : धर्मपाल सिंह

भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि संत रविदास किसी एक समाज या वर्ग के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान पथप्रदर्शक हैं। उन्होंने करोड़ों वंचित और उपेक्षित लोगों में आत्मसम्मान और आत्मविश्वास जगाया। उनके विचार आज भी समाज को जोड़ने की शक्ति रखते हैं और समरसता संकल्प अभियान उसी संदेश को घर-घर पहुंचाने का प्रयास है।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री एवं वाराणसी के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि संत रविदास ने उस दौर में सामाजिक समरसता का संदेश दिया, जब समाज जातिगत भेदभाव, सामाजिक विषमता और अन्याय से पीड़ित था। उन्होंने करोड़ों लोगों में आत्मसम्मान की नई चेतना जगाई और मानवता को सर्वोपरि बताया। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि संत रविदास ने अपना जीवन जातिवाद और छुआछूत के खिलाफ सामाजिक चेतना जगाने में समर्पित किया।

NISM ने सिक्योरिटीज मार्केट से जुड़े संस्थानों के लिए भारत की पहली क्विज फिननॉलेज 2026 की शुरूआत की

मुंबई। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स ने 'फिननॉलेज - सिक्योरिटीज मार्केट से जुड़े संस्थानों के लिए क्विज 2026' की सफलतापूर्वक शुरूआत की, जो सिक्योरिटीज मार्केट से जुड़े कामकाजी लोगों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई पहली समर्पित क्विज प्रतियोगिता है। ज्ञान बढ़ाने की इस नई पहल का उद्देश्य इस प्रतियोगिता में भाग लेने वालों के बीच सिक्योरिटीज मार्केट की समझ को बेहतर बनाना, उनकी वित्तीय जानकारी को मजबूत करना और प्रोफेशनल के तौर पर काम करने वालों की लगातार प्रगति के साथ-साथ पूरे इंडस्ट्री में सबसे उम्दा कामकाज की संस्कृति को विकसित करना है।

'फिननॉलेज QSME 2026' को खास तौर पर सिक्योरिटीज मार्केट से जुड़ी संस्थाओं के कामकाजी लोगों के लिए तैयार किया गया है, जो प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को ऐसा शानदार प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है जहाँ वे सिक्योरिटीज मार्केट के नियमों, मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर, नियमों के पालन, निवेश से जुड़े उत्पादों, टेक्नोलॉजी में हो रहे इनोवेशन तथा इंडस्ट्री में उभरते नए ट्रेंड्स के बारे में अपनी जानकारी को परख सकते हैं। यह पहल तेजी से बदलते वित्तीय माहौल से अपडेट रहने की अहमियत पर जोर देते हुए उनके बीच सकारात्मक मुकाबले को भी बढ़ावा देती है।

इस पहले आयोजन में सिक्योरिटीज मार्केट की प्रमुख संस्थाओं और मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कंपनियों की टीमों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। इनमें

एसोसिएशन ऑफ रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स (ARIA), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (NSE), नेशनल सिक्योरिटीज क्लियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (NSCCL), एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI), मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज क्लियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MCXC-CL), नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL), मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (MSEI), बीएसई ब्रोकर फोरम (BBF), मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (MCX), एसोसिएशन ऑफ रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट्स ऑफ इंडिया (ARRAI), एमएफ यूटिलिटीज (MFU), स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (SHCIL), कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज (CAMS), नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज (NCDEX), बीएसई लिमिटेड (इएए), इंडियन क्लियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, क्रिसिल और केअर रेटिंग्ज (CARE RATINGS) जैसी संस्थाएं शामिल थीं।

इस मौके पर NISM के डायरेक्टर, सशी कृष्णन ने कहा, टेक्नोलॉजी में लगातार हो रहे इनोवेशन, नियमों में बदलाव और निवेशकों की बढ़ती भागीदारी की वजह से भारत के पूंजी बाजार में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। इस बदलते माहौल में, लगातार नए-नए हुनर सीखना और अपने करियर में आगे बढ़ना बहुत जरूरी हो गया है। फिननॉलेज को इस तरह के पहले ऐसे प्लेटफॉर्म के तौर पर बनाया गया है, जो सिक्योरिटीज मार्केट से जुड़े कामकाजी लोग अपनी जानकारी को परख सकते हैं, अपने विचार साझा कर सकते हैं, साथ ही उन्हें बदलते नियमों और नए-नए बिजनेस ट्रेंड्स से अपडेट रहने में भी मदद मिलती है। ठक्रट इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को शिक्षा, सर्टिफि केशन, क्षमता बढ़ाने और लोगों को जागरूक करने के जरिए पेशेवर मानकों को मजबूत करने और भविष्य के अनुरूप सिक्योरिटीज मार्केट इकोसिस्टम तैयार करने के इरादे पर अटल है। फिननॉलेज, भारत के सिक्योरिटीज मार्केट में क्षमता निर्माण और कामकाजी लोगों के करियर को आगे बढ़ाने के ठक्रट के मौजूदा प्रयासों की दिशा में एक बड़ा कदम है। ऐसी पहलों के जरिए, ठक्रट इंडस्ट्री की क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ देश के पूरे फाइनेंशियल सिस्टम को लंबे समय के लिए सुरक्षित, मजबूत और पारदर्शी बनाने में भी मदद कर रहा है।

नई गैलेक्सी Z सीरीज की भारत में प्री-ऑर्डर बुकिंग शुरू

मुंबई। सैमसंग ने अपने नए फोल्डेबल स्मार्टफोन Z सीरीज फोल्ड8, Z सीरीज फोल्ड8 अल्ट्रा और Z सीरीज फ्लिप8 की भारत में प्री-ऑर्डर बुकिंग शुरू करने की घोषणा की है। नई Z सीरीज सीरीज सात पीढ़ियों के फोल्डेबल नवाचार पर आधारित है और गैलेक्सी एआई तथा जेमिनी इंटेलीजेंस से लैस है, जो उपयोगकर्ताओं को कम चरणों में कार्य पूरा करने में मदद करती है। साथ ही, यह पारदर्शिता, गोपनीयता और उपयोगकर्ता नियंत्रण को भी प्राथमिकता देती है। इस अवसर पर सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट एवं सीईओ जे.बी. पार्क ने कहा, पिछली सात जेनरेशन्स में हमारे फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को मिली शानदार प्रतिक्रिया इस श्रेणी में सैमसंग की अग्रणी भूमिका को मजबूत करती है। उपभोक्ता हमारे फोल्डेबल डिवाइसों को उनके आकर्षक डिजाइन और पर्सनलाइज्ड गैलेक्सी एआई अनुभव के लिए पसंद कर रहे हैं, जो उत्पादकता और रचनात्मकता को नई ऊंचाई देते हैं। अत्याधुनिक हार्डवेयर इंजीनियरिंग और मजबूत डिजाइन वाले ये स्मार्टफोन भारत में निर्मित हैं और इनके निर्माण में देश में मौजूद हमारी आरएंडडी क्षमताओं का पूरा समर्थन मिला है, जिससे हम उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों के अनुरूप नवाचार विकसित कर पा रहे हैं। सैमसंग ने अपनी नई गैलेक्सी सीरीज के तहत बेहतरीन फीचर्स और सुरक्षा के साथ तीन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स पेश किए हैं। गैलेक्सी फोल्ड 8 को 201 ग्राम वजन, 4800अँ बैटरी और फ्लेक्सी टाइटैनियम डिस्प्ले स्ट्रक्चर के साथ अब तक का सबसे हल्का और मजबूत फोल्ड बनाया गया है, जो 3000 निट्स पीक ब्राइटनेस और डुअल 50टढ कैमरा सिस्टम के साथ आता है।